वर्ष 18, अंक 173 पृष्ठ 8
कोलकाता, सोमवार, 8 दिसम्बर, 2025
पौष, कृष्णपक्ष, चतुर्थी, वि.सं. 2082

॥卐॥

www.yuvashaktinews.com
कोलकाता संस्करण
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

एक साथ 5 लाख लोगों ने किया गीता पाठ

विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल में 'धर्मयुद्ध' का ऐलान ▪ आध्यात्मिक साधना ही वापस शांति लायेगी : कार्तिक महाराज ▪ आयोजक बोले- सामाजिक सद्भाव बढ़ाना मकसद ▪ अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक गीता पाठ ▪ साधु-संतों के साथ कई भाजपा नेता भी शामिल

कोतकाता: पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से आए लाखों श्रद्धालुओं, साधुओं और साध्वियों ने कोलकाता के प्रसिद्ध ब्रिगेड परेड मैदान में आयोजित विशाल भगवद गीता पाठ में हिस्सा लिया. आयोजकों ने इसका उद्देश्य आध्यात्मिक विरासत और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना बताया और कहा कि ब्रिगेड परेड मैदान में 5 लाख लोगों ने गीता पाठ किया, जिसे अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक गीता पाठ माना गया है. इस कार्यक्रम में साधु-संतों के साथ कई भाजपा नेता भी शामिल हुए.

भगवा वस्त्र पहने साधु एक साथ गीता की प्रतियों से श्लोक पढ़ रहे थे. इस कार्यक्रम में भाजपा के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्रा पॉल, समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता तथा स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज (कार्तिक महाराज) और धीरेंद्र शास्त्री जैसे प्रमुख धर्मगुरू भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए. 'पंच लाखो कंठे गीता पाठ' नाम से आयोजित यह कार्यक्रम सनातन संस्कृति संसद की ओर से कराया गया, जिसमें अलग-अलग मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों से जुड़े साधु-संत शामिल हुए. अग्निमित्रा पॉल ने कहा, गीता केवल हिंदुओं के लिए नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों के लिए है.

कार्तिक महाराज ने कहा, विभाजन के माहौल में आध्यात्मिक साधना शांति और दिशा दे सकती है. कार्तिक महाराज ने कहा कि बंटवारे के माहौल में, आध्यात्मिक साधना शांति और दिशा वापस ला सकती है. पांच लाख लोगों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन मेडिकल सेवाओं की विस्तृत व्यवस्था की गई थी. तीन बड़े मंच बनाए गए थे और कोलकाता के मध्य क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. आध्यात्मिक कार्यक्रम का नेतृत्व

गीता मनीषी महामंडल के स्वामी ज्ञानानंदजी महाराज ने किया. यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है, जब एक दिन पहले मुर्शिदाबाद में निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हमायूं कबीर ने 'बाबरी मस्जिद-शैली' की मस्जिद की आधारशिला रखी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में आस्था और पहचान का मुद्दा तेजी से राजनीतिक माहौल से जुड़ रहा है.

दिसंबर 2023 में 'एक लाख कंठों' का गीता पाठ आयोजित किया गया था. यह लोकसभा चुनावों से पहले आयोजित किया गया था. उस समय यह राजनीतिक विवाद का कारण बना था, जब तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर धर्म का इस्तेमाल कर ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया था. सनातन संस्कृति संसद द्वारा 'लोक्खो कंठे गीता पाठ' का आयोजन किए जाने पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, आज पश्चिम बंगाल की पवित्र धरती कोलकाता में 5 लाख लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया. जोश और आस्था का सैलाब देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो. हम पश्चिम बंगाल और कोलकाता के लोगों, भारत के लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं. सनातन एकता ही इस देश और दुनिया के लिए शांति का सबसे बड़ा ज़रिया है. भारत में हमें 'सनातनी' चाहिए, 'तनातनी' नहीं. भारत में हमें 'भगवा-ए-हिंद' चाहिए, 'गजवा-ए-हिंद' नहीं. उन्हों ने कहा कि आज ऐसा लगा कि हिंदू राष्ट्र का बिगुल बज गया है. सुबह से ही ब्रिगेड मैंदान में भीड़ बढ़ने लगी थी. जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया. ब्रिगेड मैदान शंख की ध्वीनि से दिशाएं गूंज उठीं. सबसे पहले वेदों का पाठ हुआ. सनातनियों को ढाक, खोल और झांझ के साथ नृत्य करते देखा गया. ब्रिगेड मैदान उलू और शंख की ध्वनि से गूंज उठी. ज्ञानानंदजी महाराज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की.

हम गजवा-ए-हिंद नहीं, भगवा-ए-हिंद चाहते हैं : धीरेंद्र शास्त्री

यह देश राम का है, हमेशा राम का रहेगा : साधवी ऋतंभरा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में रविवार को दो साल बाद सामूहिक गीता पाठ का आयोजन किया गया. इस गीता पाठ में करीब पांच लाख लोगों और साधु-संतों ने सामूहिक गीता पाठ किया. इस कार्यक्रम में शामिल बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र की वकालत की. उन्होंने बंगाल को एकजुट होने मैसेज दिया और बाबरी मस्जिद शिलान्यास को लेकर भरतपुर से निलंबित तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर पर निशाना साधा. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'जब राज्य एक होता है, तो देश बनता है. इसलिए बंगाल के हिंदुओं को मेरा मैसेज है कि जब आप एक होंगे, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा.' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की पवित्र धरती राजधानी कोलकाता में एक स्थान पर एक साथ पांच लाख

लोगों ने सामूहिक गीता पाठ किया. कोलकाता में आस्था का जोश और सैलाब देखकर ऐसा लगा जैसे यहां महाकुंभ मेला लगा हो.

उन्होंने कहा कि वे पश्चिम बंगाल और कोलकाता के लोगों का और देश के लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं. सनातन एकता ही इस देश एवं दुनिया के लिए शांति का सबसे बड़ा संदेश है. उन्होंने साफ कहा कि भारत में हम लोगों को 'सनातनी' चाहिए, 'तनातनी' नहीं, भारत में हम लोगों को 'भगवा-ए-हिंद' चाहिए, 'ग़ज़वा-ए-हिंद' नहीं बेलडांगा में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास पर उन्होंने कहा कि अगर किसी की ऐसी आस्था है, तो वह अपनी आस्था के हिसाब से कुछ करता है, तो इसमें कोई गलती या गुनाह नहीं है, लेकिन कोई भी हमारे भगवान राम पर टिप्पणी नहीं कर सकता. दूसरी ओर, साधवी ऋतंभरा ने बेलडांगा में सस्पेंडेड तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर द्वारा रखी गई बाबरी मस्जिद की नींव पर कहा कि इस देश में बाबर या बाबरी की कोई नींव नहीं है. उन्होंने कहा किकोई ईंटों से इमारत बना सकता है, लेकिन बाबर को दिल में नहीं बसा सकता. यह देश राम का है. यह हमेशा राम का रहेगा. यहां सिर्फ 'भगवा' ही चलेगा. यह शाश्वत सत्य है.

राज्यपाल ने श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद की दिलाई याद, कहा

धार्मिक अहंकार को खत्म करने के लिए तैयार है बंगाल

कोलकाता: राज्यपाल सीवी आनंद बोस सामूहिक गीता पाठ के आयोजन में शामिल हुए के मंच से संभवत: पहली बार हिंदी में अपना वक्तिव्यय रखा. भूलभाल वाली हिंदी के लिए उन्हों ने अग्रिम मांफी मांगी। गवर्नर 'धार्मिक अहंकार' के खत्म होने की बात करते सुने गए. उन्होंने दावा किया कि यह इसी बंगाल से आएगा. गवर्नर ने कहा, हिंदी हमारी नेशनल लैंग्वेज है. इसलिए अगर मैं आज आपसे हिंदी में बात करने की कोशिश करूंगा. इंग्लिश हमारी मदर टंग नहीं है. इंग्लिश हमारी 'दायमा' जैसी है. दायमा कभी मां नहीं हो सकती.

उन्होंने गीता के श्लोहकों के जरिये करप्शन के खिलाफ आवाज उठाई. उन्होंने श्री कृष्ण-अर्जुन संवाद के कई प्रसंगों को की याद दिलाई, जिसका राजनीतिक अर्थ भी निकाला जा

सकता है. उन्होंने बताया कि कैसे श्री कृष्ण ने महाभारत के उस भयानक युद्ध में कृष्ण को सही रास्ता दिखाया. उन्होंने कहा, श्री कृष्ण ने बार-बार अर्जुन से कहा कि अर्जुन अपना काम करो और आज बंगाल वह काम करने के लिए तैयार है. आज जब युवा पीढ़ी के लोग गीता का पाठ करना चाहते हैं, तो यह राष्ट्रीय गौरव की बात बन जाती है. वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि गीता पाठ का चुनावों से कोई सीधा लेना-देना नहीं है पॉलिटिक्स तो पॉलिटिक्स ही रहेगी, गीता हमेशा रहने वाली है. कल हमने जो देखा, उससे साफ पता चलता है कि हिंदू वोट को बांटने और मुस्लिम वोट को एक करने की साजिश चल रही है.

हालांकि, बिना नाम लिए गवर्नर ने मुर्शिदाबाद के रेजिनगर के बेलडांगा में 'बाबरी' मस्जिद के शिलान्यास की ओर इशारा किया. जहां उन्होंने धर्म के नाम पर घमंड का आरोप लगाया. सीवी आनंद बोस ने कहा, लोग हमारी ताकत हैं. लोग हमारे टूल हैं. दुश्मन हमारे सामने खड़ा है. बंगाल राज्य की दुर्दशा में डिसाइडिंग रोल निभाने के लिए तैयार है. बंगाल धार्मिक घमंड को खत्म करने के लिए तैयार है. हालांकि, गवर्नर सीवी आनंद बोस ने दुश्मन किसे बताया? इस पर उन्होंने कोई खास कमेंट नहीं किया.

6 दिन बाद इंडिगो की 1650 उड़ानों ने पकड़ी रफ्तार

610 करोड़ रिफंड, 3000 बैग भी लौटाए

नयी दिल्ली: इंडिगो एयरलाइंस में तकनीकी खराबी और स्टाफ की कमी के चलते पिछले कई दिनों से लगातार फ्लाइट रद्द होने और देरी की समस्या के बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से बड़ा अपडेट सामने आया है. मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि अब तक यात्रियों को

कुल 610 करोड़ रुपये से अधिक के रिफंड प्रोसेस कर दिए गए हैं. इतना ही नहीं, शनिवार तक देशभर में यात्रियों को 3000 बैग डिलीवर किए जा चुके हैं. बता दें कि सरकार ने इंडिगो को सख्त निर्देश दिए थे कि रद्द हुई उड़ानों के टिकटों का पूरा रिफंड रविवार शाम तक प्रोसेस कर लिया जाए और यात्रियों से अलग हुए सामान को अगले दो दिनों (48 घंटे) के अंदर डिलीवर कर दिया जाए.मंत्रालय की ओर जारी बयान में बताया गया है कि इंडिगो का विमानन नेटवर्क तेजी से पूरी तरह सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम जारी रहेंगे. एयरलाइन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उड़ान रद्द होने या देरी की वजह से अलग हुए बैग का पता लगाकर उन्हें 48 घंटे के अंदर यात्रियों तक पहुंचाया जाए. बयान के अनुसार, इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये से ज्यादा के रिफंड पूरे कर लिए हैं. रद्दीकरण से प्रभावित यात्रियों की उड़ानें पुनर्निर्धारित करने के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा. रिफंड और दोबारा बुकिंग की समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए विशेष हेल्प डेस्क बनाए गए हैं, ताकि यात्रियों को किसी तरह की देरी या परेशानी न हो.

20 साल बाद सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम महिला को मिला न्याय

तलाकशुदा रौशनारा ने कहा: मेरी जैसी सभी महिलाओं की जीत

बंगाल निवासी महिला को पिता ने शादी में दिये थे 7 लाख

नकदी व सोने के जेवर तलाक के बाद वापस नहीं मिले

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ठुकरा दी थी पीड़िता की अपील

देश के कई मुस्लिम संगठनों ने फैसले का स्वागत किया

कोलकाता/नई दिल्ली: लगातार दो दशकों तक चली कानूनी लड़ाई के बाद पश्चिम बंगाल की रौशनारा बेगम को आखिरकार वह न्याय मिला गया है. सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपनी शादी के समय मायके वालों द्वारा दिए गए उपहार, नकद राशि और सोना वापस पाने की हकदार है.

यह फैसला न केवल रौशनारा के व्यक्तिगत संघर्ष की जीत है, बल्कि सभी मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक निर्णय भी माना जा रहा है. करीब 45 वर्ष की रौशनारा बताती हैं कि यह लड़ाई उनकी शादी के तुरंत बाद ही शुरू हो गई थी. साल 2005 में उनकी शादी हुई, लेकिन कुछ ही महीनों में रिश्ता टूटने लगा.

अत्याचार और फिर तलाक

2005 के अंत तक दहेज उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और ससुराल से निकाले जाने जैसी घटनाएं सामने आने लगीं. वर्ष 2008 में वे मजबूरी में मायके लौट आईं. अंततः 2011 में उनका तलाक हो गया. रौशनारा के पिता ने शादी में 7 लाख रुपये नकद और सोने के जेवर दिए थे, लेकिन तलाक के बाद भी उन्हें वापस नहीं लौटाया गया. रौशनारा भावुक होकर कहती हैं कि सात लाख रुपये हमारे जैसे परिवार के लिए बहुत बड़ी रकम थी. निचली अदालतों ने कई बार उनके पक्ष में फैसला दिया, लेकिन जनवरी 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने निर्णय पलटते हुए कहा कि उन्हें उपहार में दिया गया नकद और सोना वापस पाने का अधिकार नहीं है. इसके बाद रौशनारा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया. इन सालों में उन्होंने अपने जीवन को भी नए सिरे से संभाला. वे आज एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में अध्यापिका हैं, दो बेटों की मां हैं और दोबारा शादी कर चुकी हैं.

रौशानार के वकील ने क्या बताया

उनके वकील सैयद मेहंदी इमाम बताते हैं कि यह केस व्यक्तिगत रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण था. अब तक इस बारे में कोई स्पष्ट फैसला नहीं था कि शादी में दुल्हन को दिए गए उपहार जो ससुराल वालों के पास रहते हैं, तलाक के बाद वापस किए जाने चाहिए या नहीं. यह एक ग्रे एरिया था. उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि इस पर निर्णायक फैसला दिया जाए. कुछ लोगों को आशंका थी कि यह मामला धार्मिक विवाद का रूप ले सकता है, क्योंकि मुस्लिम व्यक्तिगत कानून से जुड़ा हुआ मुद्दा था.

लेकिन 2 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने समानता और गरिमा को केंद्र में रखते हुए फैसला दिया. कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं के वास्तविक अनुभवों और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर कानून की व्याख्या की जानी चाहिए.

गोवा नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट पर सीएम का एक्शन

मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, आग से मरे कुल 25 लोग

पणजी: गोवा के अरपोरा गांव के एक नाइट क्लब में सिलेंडर में ब्लास्ट के कारण आग में कम से कम 25 लोगों की मौत के मामले में सरकार ने एक्शन लिया है. गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और एक जांच कमेटी का गठन किया गया है. उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि अंदर इलेक्ट्रिक पटाखे फोड़े गए थे, जिससे आग लगी, और क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

रविवार शाम को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा, अभी चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. हमने रोमियो लेन के दूसरे क्लब को पहले ही सील कर दिया है. सरकार किसी भी गैर-कानूनी नाइट क्लब को बढ़ावा नहीं देती है. गोवा के डीजीपी आलोक कुमार ने कहा, गिरफ्तार किए गए लोगों में चीफ जनरल मैनेजर राजीव मोदक, जनरल मैनेजर विवेक सिंह, बार मैनेजर राजवीर सिंघानिया और गेट मैनेजर प्रियांशु ठाकुर शामिल हैं मालिकों, सौरव लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ ऋखठ दर्ज की गई है. सीएम ने कहा कि राजस्व सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई जाएगी जो ऐसे क्लब, बिजनेस जगहों वगैरह का ऑडिट करेगी, जो बिना वैध अनुमति के चल रहे हैं और जहां बड़ी संख्या में लोगों के इकट्ठा होने की संभावना है.

अभिनेत्री व सांसद मिमी ने श्रीरामपुर में लग्ज़री लिविंग का किया उद्घाटन

श्रीरामपुर : श्रीरामपुर के बस स्टैंड के पास शनिवार को एक लग्ज़री लिविंग नाम के प्रतिष्ठा,न का उद्घाटन हुआ. लग्ज़री लिविंग में आम आदमी से लेकर अमीर लोगों तक, सभी के लिए आकर्षक बंपर ऑफर और अपने अलग-अलग तरह के बेडिंग और सोफा कलेक्शन रखे गये हैं. इसका उद्घाटन मशहूर एक्ट्रेस व सांसद मिमी चक्रवर्ती महाशय ने किया. कार्यक्रम में श्रीतमा भट्टाचार्य स्पेशल गेस्ट के तौर पर मौजूद थीं. लग्ज़री लिविंग के मैनेजर सम्राट रॉय ने कहा कि हम दुर्गापुर और मुंबई में अपने कलेक्शन पेश कर चुके हैं. इस बार, आम आदमी का ख्याल रखते हुए, हम अलग-अलग कीमतों पर कई ब्रांडेड प्रोडक्ट्स के साथ सीधे श्रीरामपुर आए हैं. इसके अलावा यहां स्मार्ट टीवी, इंडक्शन ओवन व दूसरे सामान आकर्षक गिफ्ट के साथ मिल रहे हैं. उन्होंटने कहा कि हमारे फर्नीचर कलेक्शन ने लोगों के दिलों को छुआ है. उद्घाटन के दिन सामानों पर स्पेशल डिस्काउंट्स दिये गये.

आने वाले समय में भाजपा यंत्र से खोजकर भी नहीं मिलेगी: मुशर्रफ हुसैन

कोलकाता : विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान अभी हुआ नहीं है कि बंगाल में सर्दी के मौसम में राजनीति का पारा तप रहा है. संहति दिवस के कार्यक्रम में तृणमूल अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष व विधायक मुशर्रफ हुसैन ने जमकर भाजपा व देश में मोदी सरकार पर हमला किया. मुशर्रफ हुसैन ने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा किसी यंत्र से भी खोजकर नहीं मिलेगी. कारण बातुनी संस्कृति से राजनीति नहीं चलती है बरन कथनी और करनी में फर्क नहीं होना चाहिए. सच तो यह है कि तृणमूल भाजपा को अपनी प्रतिद्वंद्वी ही नहीं मानती है. बीजेपी अपने गरम बातों व बयानों से विभेद की राजनीति करती है. लेकिन बंगाल ममता बनर्जी की सरकार सर्व धर्म सद्भावना में विश्वास करती है. देश में धर्म को लेकर जिस तरह से राजनीति किया जा रहा है वह बंगाल में नहीं चलने वाला है और यहां के अमन पसंद लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे. भाजपा जहां विभाजन व कट्टरता की पोषक है वहीं सीएम ममता बनर्जी विकास की प्रतीक हैं.

न्यूज कॉर्नर

महिला ने लगाई फंदे से लटक कर की आत्महत्या

पश्चिम मेदिनीपुर : दासपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीकुण्ड ग्राम में शनिवार देर रात एक 53 वर्षीय महिला काकोली मांझी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. जानकारी के अनुसार, काकोली मांझी रात के समय घर के पास स्थित गौशाला में गई थीं. कुछ देर बाद परिजनों ने उन्हें फंदे से लटका पाया. घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई.पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मरणोत्तर परीक्षण के लिए भेज दिया. अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता चल सकेगा. प्रारंभिक जांच में किसी तरह की साजिश या बाहरी हस्तक्षेप के संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है.स्थानीय लोगों के अनुसार, काकोली मांझी शांत स्वभाव की महिला थीं और उनके इस तरह के कदम से पूरा गांव स्तब्ध है. परिजन गहरे सदमे में हैं. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है.

साड़ी में मैदान पर उतरकर फुटबॉल को नई उड़ान दे रही बांकुड़ा की कोच भारती

बांकुड़ा : बांकुड़ा के छातनार दुमदुम इलाके की विवाहिता भारती मुदी ने ग्रामीण समाज की परंपरागत सोच को चुनौती देते हुए फुटबॉल में नया मुकाम स्थापित किया है. पहले समाज ने उनके फुटबॉल खेलने के जुनून पर रोक लगा दी थी, लेकिन आज भारती मुदी आदिवासी लड़कियों को प्रशिक्षित कर उनके फुटबॉल के सपनों को पंख दे रही हैं.भारती मुदी अब गोवा, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर तक अपनी टीम के साथ जीत की गूंज फैला चुकी हैं. रसोई से कोचिंग ग्राउंड तक का उनका सफर अनोखा और प्रेरणादायक है, जिसने दूर दराज के गांवों में रहने वाली लड़कियों के सपनों को भी नई दिशा दी है.रविवार सुबह इलाके के ही एक मैदान में फुटबॉल खेलते हुईं भारती मुदी नजर आईं. उन्होंने बताया कि मेरी कोशिश है कि गाँव की लड़कियों को खेल के प्रति प्रेरित किया जाए और उनके सपनों को पंख दिए जाएं.बांकुड़ा की इस साड़ी पहनने वाली 'कोच भारती' ने साबित कर दिया कि अगर जूनून हो तो कोई भी सीमा बाधा नहीं बन सकती. आज वह बंगाल के फुटबॉल को नए सिरे से जीवित कर रही हैं और ग्रामीण लड़कियों को खेल में आगे बढ़ने का मौका दे रही हैं.

दासपुर में कृष्णमंदिर का ताला तोड़कर चोरी

मेदिनीपुर : दासपुर-दो क्षेत्र के भुयरा ग्राम स्थित कृष्णमंदिर में देर रात चोरी की घटना सामने आयी है. रविवार भोर लगभग 5.30 बजे खेत की ओर जाते वक्त ग्रामवासियों ने देखा कि मंदिर का दरवाजा खुला हुआ है और सारा पूजन सामग्री बिखरा पडा हुआ है. इससे ग्रामीणों के मन में संदेह पैदा हुआ.ग्रामवासी जब करीब जाकर देखने लगे तो पाया कि मंदिर का ताला टूटा पडा है और भीतर अस्तव्यस्त स्थिति बनी हुई थी. तत्काल आसपास के लोग इकट्ठे हुए और जांच करने पर स्पष्ट हुआ कि रात में अज्ञात चोर मंदिर से दान की दो पेटियां, जिनमें क्रमश: दस हजार और छ: हजार रुपये रखे थे, चोरी कर ले गये.इसके अलावा कृष्ण मूर्ति की चांदी की बांसुरी और कुछ चांदी के गहने भी गायब मिले. घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गयी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. ग्रामीणों ने इस चोरी की घटना पर नाराजगी जतायी है और जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है.

दांतन में पराली जलाने से लगी आग, बड़ी मात्रा में धान जलकर नष्ट

पश्चिम मेदिनीपुर : प्रशासन की बार-बार चेतावनियों के बावजूद पोराली जलाने की प्रवृत्ति थम नहीं रही है. दांतन दो ब्लॉक के साउरी पंचायत के लालपुर क्षेत्र में पोराली से लगी आग ने एक किसान की साल भर की मेहनत को पलभर में राख में बदल दिया. आग की चपेट में आकर पन्द्रह बोरे धान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गये.स्थानीय निवासी परिमल पयडा ने बताया कि खेत में ही धान झाडकर बोरो में भरकर रखा था. इसी बीच किसी ने आसपास पराली में आग लगा दी. हवा के साथ उठी लपटें खेत तक पहुंच गयीं और पूरी फसल को जला डाला. रविवार सुबह जब परिवार ने यह दृश्य देखा तो सभी की आंखें नम हो गयीं. घरवालों का कहना है कि साल भर की मेहनत जलकर खाक हो गयी, जिससे पूरा परिवार आहत और बेहद दुखी है.प्रशासन की ओर से पराली जलाने पर प्रतिबंध और लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाने के बावजूद यह प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है.

बीएसएफ ने विफल किया नकली नोटों की तस्करी का प्रयास

मालदह : सीमा पार अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, बीएसएफ साउथ बंगाल फ्रंटियर की 119 बटालियन के जवानों ने मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बड़ी मात्रा में नकली भारतीय करेंसी नोट की तस्करी के प्रयास को नाकाम कर दिया. बीएसएफ जवानों की त्वरित और समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप 500 रुपये के 400 नकली नोट बरामद किए गए, जिनकी कुल कीमत दो लाख रुपये थी.जानकारी के अनुसार, छह दिसंबर को 119 बटालियन के चुड़ियांतपुर बॉर्डर आउटपोस्ट के सतर्क जवानों ने सीमा निगरानी ड्यूटी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार संदिग्ध गतिविधि देखी. कुछ बांग्लादेशी तस्कर धोखे से बाड़ के ऊपर से एक पैकेट फेंककर वापस बांग्लादेश की ओर भाग गए, जबकि एक भारतीय तस्कर इसे उठाने के लिए आगे बढ़ा.हालांकि, बीएसएफ जवानों की तत्परता ने तस्करों के प्रयास को विफल कर दिया. घने जंगल,

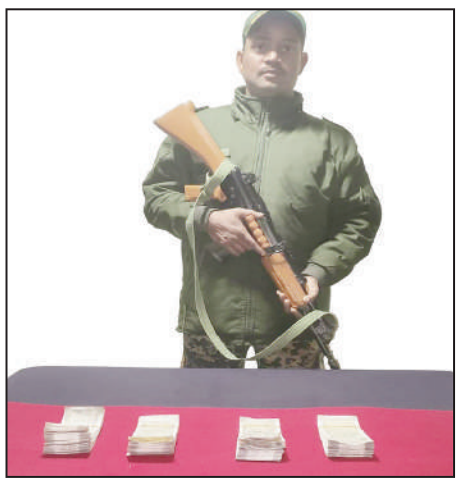

असमान भूभाग और आसपास के आवासीय क्षेत्रों का फायदा उठाते हुए तस्कर सामान छोड़कर भाग गए.इसके बाद, जवानों ने तलाशी अभियान चलाया और एक संदिग्ध पैकेट बरामद किया, जिसमें बड़ी मात्रा में नकली भारतीय करेंसी नोट थे. बरामद किए गए नोटों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसी को सौंप दिया गया है.बीएसएफ साउथ बंगाल फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि नकली मुद्रा की तस्करी देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा है और वर्तमान परिस्थितियों में यह चुनौती और भी गंभीर हो गई है. उन्होंने कहा कि बीएसएफ सीमा पर सभी प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी ऐसे प्रयास को सफल नहीं होने देगा.यह कार्रवाई सीमा सुरक्षा बलों की सतर्कता और देश की आर्थिक सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है. नकली नोटों की तस्करी न केवल देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि यह अन्य आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है.

आसनसोल में तृणमूल कांग्रेस की जवाबी सभा

आसनसोल : भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' और प्रदेश अध्यक्ष के सभा का जवाब देने के लिए कि रविवार को तृणमूल कांग्रेस ने आसनसोल के गिरजा मोड़ इलाके में विशाल प्रतिवाद सभा का आयोजन किया. सभा से पहले शहर में हजारों कार्यकर्ताओं के साथ भारी पदयात्रा निकाली गई.इस पदयात्रा और सभा में आसनसोल उत्तर के विधायक एवं राज्य के कानून व श्रम मंत्री मलय घटक, जामुड़िया के विधायक हरेराम सिंह, जिला परिषद के सभाधिपति विश्वनाथ बाउरी, आसनसोल नगर निगम के डिप्टी मेयर अभिजीत घटक, मेयर-इन-काउंसिल गुरुदास चटर्जी, निगम के कई पार्षद और तृणमूल के स्थानीय नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए.मंत्री मलय घटक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में 100 से ज्यादा जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं. यहां के निवासी मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज और कई सुविधाएं पा रहे हैं. केंद्र

सरकार ने गरीबों के आवास की राशि रोक दी, लेकिन दीदी ने राज्य के खजाने से पैसा देकर लाखों गरीबों को पक्का मकान बनवा दिया. वहीं केंद्र की भाजपा सरकार गरीबों का विकास करने की बजाय उनकी झोपड़ियां बुलडोजर से तुड़वा रही है.डिप्टी मेयर अभिजीत घटक ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा वाले परिवर्तन यात्रा कर रहे हैं, लेकिन अगले चुनाव में उन्हें पूरे राज्य में 20 सीटें भी नहीं मिलेंगी. पहले भी इन्होंने पैसों का लालच देकर कुछ वोट लिए थे, लेकिन जीतते ही गरीबों की झोपड़ियां ढहा दीं.

बंगाल की जनता इस बार फिर तृणमूल को भारी बहुमत से जिताएगी. प्रतिवाद सभा में भारी भीड़ और जोश देखने को मिला.कार्यकर्ताओं ने भाजपा विरोधी नारे लगाते हुए ममता बनर्जी और तृणमूल सरकार की उपलब्धियों को गिनाया.आसनसोल में यह सभा 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच सीधी राजनीतिक जंग का संकेत मानी जा रही है.

सिलीगुड़ी में नशे में धुत महिला का हंगामा

सिलीगुड़ी : शहर की सबसे व्यस्त सड़क सेवक रोड पर शनिवार देर रात एक महिला ने नशे की हालत में अपने पुरूष मित्र की तलाश में सड़क पर हंगामा मचा दिया.वह रेस्तरां में तोड़फोड़ करने के बाद सड़क पर खड़ी कारों के कांच तोड़ने लगी. जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई. महिला का हंगामा देर रात तक चली. सूचना पर पहुंचे पुरुष पुलिसकर्मियों से भी उसने बदसलूकी की. काफी देर बाद मौके पर आई महिला पुलिस ने उसे हिरासत में लिया.आरोप है कि उसका पुरूष मित्र ऊपर पब से सारी घटना देखता रहा लेकिन नीचे नहीं उतरा. महिला का आरोप है कि उसका पुरूष मित्र मुझे रेस्तरां में छोड़कर कर चला गया. उसने मुझे धोखा दिया है. मुझे इंसाफ चाहिए.

साधु के रूप में चोरी और ठगी की कोशिश, स्थानीय लोगों ने खम्भे से बांधा

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के उत्तर एकटियाशाल इलाके में साधु बनकर चोरी और ठगी की कोशिश करने पर एक युवक को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथों पकड़ कर बिजली के खम्भे से बांध दिया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चार युवक रविवार को साधु के भेष में इलाके घूम रहे थे. आरोप है कि उनमे से एक युवक घर में घुसकर पहले गृहिणी से पानी मांगा. बाद में भगवान का नाम लेकर भविष्यवाणी सुनाकर उसे प्रभावित करने की कोशिश करने लगा. गृहिणी के 100 रुपये दान देने पर वह अधिक आशीर्वाद के नाम पर उसकी सोने की चेन भी उतरवाकर भगवान की तस्वीर लगे एक खाता के अंदर रख दिया. उसके बाद मौके से निकलने की कोशिश करने लगा. परिवार के सदस्यों को शक होने पर उन्होंने उसे रोककर खाता खोलने पर सोने की चेन निकला. इसके बाद स्थानीय लोग युवक को पकड़कर बिजली के खम्भे से बांध दिया और उसकी पिटाई कर दिया. इस बीच उसके साथी मौके से फरार हो गए. घटना की सूचना पाकर आशिघर फाड़ी की पुलिस मौके पर पहुंची

बउबाजार में पुराने मकान का एक हिस्सा गिरने से 1 व्यक्ति घायल

कोलकाता : बउबाजार में एक पुराने घर की बालकनी का एक हिस्सा गिर गया जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गया. यह घटना रविवार को मध्य कोलकाता के बीबी गांगुली स्ट्रीट पर हुई. कुछ स्थानीय लोग इस घटना के लिए मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के काम को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं. हालाँकि, यह घर पहले से ही खतरनाक था. स्थानीय तृणमूल पार्षद बिस्वरूप डे ने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोलकाता नगर निगम के इंजीनियरों द्वारा जांच के आदेश दिए हैं.

ईस्ट-वेस्ट मेट्रो के काम के चलते बाउबाजार में घरों के ढहने से लेकर कई परिवारों के घर छोड़कर दूसरी जगहों पर रहने तक की तस्वीरें पिछले कुछ सालों में बार-बार देखने को मिली हैं. मेट्रो का काम पूरा होने के साथ ही ईस्ट-वेस्ट रूट पर ट्रेनें चलने लगी हैं. लेकिन, स्थानीय लोगों में अभी भी दहशत का माहौल है. इस डर में रविवार की घटना ने और इजाफा कर दिया है.

जिस समय इस पुराने मकान के बरामदे का एक हिस्सा गिरा उस समय स्थानीय निवासी पप्पू सिंह (59) मकान के नीचे खड़े थे. उनके सिर और गर्दन में चोटें आईं. उन्हें तुरंत

कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी जाँच की गई और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई.

स्थानीय निवासियों के एक वर्ग ने दावा किया कि यह घटना कोलकाता मेट्रो के काम की वजह से हुई. हालाँकि, आरकेटी विभाग का दावा है कि घर पहले से ही खतरनाक था. घर का नवीनीकरण कार्य चल रहा था. शायद इसी वजह से यह ढह गया. एक स्थानीय निवासी के शब्दों में, यह समझना मुश्किल है कि यह क्यों गिरा. दरअसल, मेट्रो हादसे के बाद से हर कोई दहशत में है. निवासी इस बात से डरे हुए हैं कि कब क्या हो जाए!

उधर, खबर मिलते ही स्थानीय विधायक नैना बनर्जी और पार्षद बिस्वरूप डे मौके पर पहुँचे. उन्होंने स्थिति का मुआयना किया और स्थानीय लोगों से बात की. बिस्वरूप ने कहा, घटना की खबर मिलने के बाद मैं आया हूँ. मैंने हर चीज़ की जाँच की है.

मैंने परिवार वालों की बातें सुनी हैं. नगर निगम के इंजीनियरों को हर चीज़ का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है, चाहे वह मेट्रो के लिए हो या घर पुराना होने के कारण. खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस स्टेशन ने आपदा प्रबंधन टीम के साथ पुलिस बल भेजा. अब स्थिति सामान्य है. कोलकाता निगम के भवन विभाग के अधिकारी निरीक्षण करके तय करेंगे कि खतरनाक हिस्से को पूरी तरह से तोड़ा जाएगा या नहीं.

इसीएल में वित्तीय संकट के कारण कर्मचारियों के वेतन में विलंब

आसनसोल : आसनसोल स्थित कोल इंडिया की अनुसांगिक कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (इसीएल) गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रही है. नतीजतन, कर्मचारियों को वेतन समय पर नहीं मिल पा रहा है. अक्टूबर महीने का वेतन कई दिनों की देरी के बाद नवंबर में मिला, जबकि नवंबर का वेतन अब तक जारी नहीं हुआ है.सूत्रों के अनुसार इसीएल द्वारा बेचे गए कोयले का खरीदारों पर लगभग दो हजार करोड़ रुपये का बकाया है, जिसके चलते आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है. इसीएल के निदेशक नीलाद्री राय के अनुसार 2000 करोड़ की बकाया राशि में से 500 करोड़ रुपए केवल डीवीसी पर बकाया है, इसी कारण वेतन भुगतान प्रभावित हो रहा है. कंपनी की 73 कोलरियों में करीब 45 हजार स्थाई कर्मचारी कार्यरत हैं. अधिकारी फिलहाल स्पष्ट रूप से यह बताने की स्थिति में नहीं हैं कि नवंबर का वेतन कब मिलेगा.उल्लेखनीय है कि इसीएल प्रतिदिन औसतन 1.80 लाख टन से 2 लाख टन कोयला उत्पादन करता है, लेकिन हाल में ट्रांसपोर्टेशन घटकर मात्र 1.20 लाख टन रह गया है. विभिन्न डीपो और रेल साइडिंग पर लगभग 6.5 लाख टन कोयला स्टॉक के रूप में पड़ा है, जिससे अधिक मात्रा में कोयला भंडारण के कारण आग लगने का खतरा भी बढ़ा है.इसीएल के निदेशक नीलाद्री राय ने बताया कि इस वर्ष लगभग छह महीने तक बारिश होने से देशभर के पावर प्लांट्स की बिजली मांग कम हो गई.

नियमों के अनुसार मानसून के दौरान पावर प्लांट्स के पास कम से कम 10 दिन का कोयला स्टॉक होना चाहिए, लेकिन इस समय उनके पास एक महीने से भी अधिक कोयला उपलब्ध है.इसके अलावा पश्चिम बंगाल के थर्मल पावर प्लांट अपने कोल ब्लॉक से ही कोयला उठा रहे हैं, और विभिन्न कंपनियों को नए कोल ब्लॉक मिलने से इसीएल से कोयला खरीद कम हो गई है.

रेलवे न्यूज

हावड़ा के रेलवे हॉस्पिटल में बेबी शो का आयोजन

कोलकाता : ईस्टर्न रेलवे विमेंस वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन (ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ), हावड़ा की प्रेसिडेंट, श्रीमती प्रीति कपूर के प्रेरक नेतृत्व में आज डिवीज़नल रेलवे हॉस्पिटल हावड़ा के ऑडिटोरियम में एक मज़ेदार बेबी शो आयोजित किया गया.इसमें तीन एज ग्रुप-0-1 साल, 1-2 साल, और 2-3 साल-के कुल 72 प्यारे बच्चों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया. बच्चों के विकास और सेहत के खास मानकों का आकलन किया गया, जिसमें ग्रोथ माइलस्टोन्स, न्यूट्रिशन, इम्यूनाइज़ेशन स्टेटस, और ओवरऑल वेल-बीइंग शामिल थे.समारोह में रंग और चार्म जोड़ते हुए, बच्चों की एक मज़ेदार कल्चरल परफॉर्मेंस और एक दिलचस्प मैजिक शो ने ऑडियंस का मनोरंजन किया, जिससे परिसर हंसी और तालियों से भर गया. हर एज ग्रुप के विजेताओं को इनाम दिए गए, और सभी पार्टिसिपेंट्स को नाश्ता दिया गया, जिससे यह दिन बच्चों और अभिभावकों दोनों के लिए यादगार बन गया. इस प्रोग्राम में हावड़ा की चीफ मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. सरिता धन के साथ-साथ दूसरे डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल स्टाफ और ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ /हावड़ा के मेंबर्स भी मौजूद थे, जिनकी मौजूदगी ने इस मौके की अहमियत और बढ़ा दी. इकट्ठा हुए लोगों को एड्रेस करते हुए श्रीमती प्रीति कपूर ने इतने ज़्यादा लोगों के शामिल होने के लिए दिल से शुक्रिया अदा किया. उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की कोशिशें बच्चों की हेल्थ को बढ़ावा देने, शुरुआती डेवलपमेंट में मदद करने और हर बच्चे के बेहतर भविष्य का रास्ता बनाने में अहम योगदान देती हैं.

पूर्व रेलवे आरपीएफ ने पांच बच्चों को बचाया

कोलकाता : ईस्टर्न रेलवे अपनी खास पहल ऑपरेशन नन्हे फरिस्ते के ज़रिए बच्चों की सुरक्षा के लिए अपनी पक्की प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है. इस मिशन का मकसद रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में अकेले, खोए हुए या मुसीबत में फंसे कमज़ोर बच्चों की सुरक्षा करना है, ताकि चाइल्ड हेल्प लाइन अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें समय पर बचाया जा सके और उनका पुनर्वास किया जा सके.6 दिसंबर को, हावड़ा, सियालदह और आसनसोल डिवीज़न के रेलवे प्रोटेक्शन फ़ोर्स (आरपीएफ) के जवानों ने बोलपुर, कोलकाता, दुमका और मधुपुर रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों और स्टेशन परिसर से पांच नाबालिग लड़के और लड़कियों को बचाया. बचाए गए सभी बच्चों को देखभाल, काउंसलिंग और आगे के पुनर्वास के लिए संबंधित चाइल्ड हेल्प लाइन को सुरक्षित सौंप दिया गया. बचाए गए बच्चों में से तीन अपने परिवार को बताए बिना घर से भाग गए थे, एक नाबालिग लड़का गलती से गलत ट्रेन में चढ़ गया था, और एक और नाबालिग लड़का ट्रेन में बिना किसी मकसद के घूमता हुआ मिला था.

कोलकाता-कामाख्या के बीच स्पेशल ट्रेन, 1440 बर्थ का सृजन

कोलकाता : यात्रियों की ज़्यादा भीड़ को कम करने के लिए, रेलवे ने कोलकाता और कामाख्या के बीच एक स्पेशल ट्रेन चलाने का फ़ैसला किया है. इस स्पेशल ट्रेन को चलाने से 1440 बर्थ मिलेंगी.05694 कामाख्या-कोलकाता स्पेशल 08 दिसंबर को कामाख्या से 05:40 बजे निकलेगी और अगले दिन 00:40 बजे कोलकाता पहुँचेगी. 05695 कोलकाता-कामाख्या स्पेशल 09 दिसंबर को कोलकाता से 02:30 बजे निकलेगी और उसी दिन 22:05 बजे कामाख्या पहुँचेगी. यह ट्रेन रास्ते में दोनों तरफ़ ईस्टर्न रेलवे के इलाके में बैंडेल, नवद्वीप धाम, कटवा, अज़ीमगंज और मालदा टाउन स्टेशनों पर रुकेगी. ट्रेन में स्लीपर क्लास और एसी वाली सीटें होंगी. 05695 कोलकाता - कामाख्या स्पेशल की बुकिंग पीआरएस और इंटरनेट से उपलब्ध है.

जोधपुर व दिल्ली के लिए 2 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

कोलकाता : यात्रियों की ज़्यादा भीड़ को कम करने के लिए, रेलवे ने हावड़ा से जोधपुर के लिए एक तरफ़ा स्पेशल ट्रेन और हावड़ा और नई दिल्ली के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाने का फ़ैसला किया है. इन स्पेशल ट्रेनों को चलाने से 3100 बर्थ का सृजन होगा. 04808 हावड़ा - जोधपुर एक तरफ़ा स्पेशल ट्रेन 09 दिसंबर को रात 11:00 बजे हावड़ा से निकलेगी और तीसरे दिन सुबह 11:50 बजे जोधपुर पहुँचेगी. यह ट्रेन रास्ते में दोनों तरफ़ ईस्टर्न रेलवे के इलाके में बर्द्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी. ट्रेन में जनरल सेकंड क्लास, स्लीपर क्लास और -3 की सुविधा होगी. 04462 नई दिल्ली - हावड़ा स्पेशल 07 दिसंबर को नई दिल्ली से 18:15 बजे निकलेगी और अगले दिन 23:30 बजे हावड़ा पहुंचेगी और 04461 हावड़ा - नई दिल्ली स्पेशल 09 दिसंबर को हावड़ा से 01:30 बजे निकलेगी और अगले दिन 08:20 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी. ट्रेन रास्ते में दोनों तरफ पूर्वी रेलवे के इलाके में बैंडेल, बर्धमान, दुर्गापुर और आसनसोल स्टेशनों पर रुकेगी. ट्रेन में एसी की सुविधा होगी. 04808 हावड़ा - जोधपुर वन वे स्पेशल और 04461 हावड़ा - नई दिल्ली स्पेशल की बुकिंग पीआरएस और इंटरनेट से उपलब्ध है.

श्रीरामपुर जेल से विचाराधीन कैदी के फरार होने पर हड़कंप

हुगली: जिले के श्रीरामपुर सुधार गृह से एक विचाराधीन कैदी लापता हो गया है. उसका नाम राजेश हाटी है. वह पॉक्सो मामले में आरोपित है. मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी श्रीरामपुर सुधार गृह में वह पिछले साल जून महीने से था. शनिवार को उसके लापता होने का मामला सामने आया. इस बीच उसकी तलाश के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया गया है. क्या वह भाग गया है? ऐसे में सुधार गृह की सुरक्षा कवच को भेदकर वह कैदी कैसे भाग गया? क्या सुरक्षा व्यवस्था में कोई खामी थी? यह सवाल उठ रहे हैं. जानकारी के अनुसार, यह व्यक्ति श्रीरामपुर के पियारापुर षष्ठीतला का निवासी है. उसके खिलाफ रिषड़ा और मगरा थाने में शिकायत दर्ज थी. पॉक्सो मामले में भी वह आरोपी है. श्रीरामपुर सुधार गृह के अंदर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं. इस बीच उस फुटेज को पुलिस के हवाले कर दिया गया है. सुधार गृह की कड़ी सुरक्षा घेरे को पार करके वह व्यक्ति कैसे गायब हो गया? यह सवाल उठ रहा है. इस मामले में जेल अधिकारियों की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है. श्रीरामपुर के महकमा अधिकारी शंभुदीप सरकार ने रविवार को बताया कि सुधार गृह से कैदी के लापता होने का मामला सामने आने के बाद ही सुधार गृह अधिकारियों को थाने में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है. वह व्यक्ति कैसे लापता हुआ, इसकी जांच की जा रही है.जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि क्या सुरक्षा में कोई चूक हुई थी या फिर किसी की मिलीभगत से यह घटना हुई. पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और आरोपित की तलाश जारी है.

चलती -फिरती स्वास्थ्य सेवा को लेकर तृणमूल में गुटबाजी का आरोप, परेशान स्थानीय निवासी

हुगली : उद्घाटन पहले ही हो चुका है. लेकिन अब उस चलती-फिरती स्वास्थ्य सेवा को लेकर ही तृणमूल कांग्रेस में गुटबाजी का आरोप लगा है. घटना तारकेश्वर के नैटा मालपाहाड़ ग्राम पंचायत क्षेत्र की है.

तृणमूल के ही उप-प्रधान का आरोप है कि जिस जगह पर सेवा देनी थी, पार्टी के नेताओं के इशारे पर रातोंरात उसे बदल दिया गया. इतना ही नहीं, यह खबर इलाके के सभी लोगों तक पहुंची भी नहीं. नतीजतन, अंत में स्थानीय निवासी परेशानी का सामना कर रहे हैं.रविवार सुबह चलती-फिरती चिकित्सा सेवा का कैंप नैटा ग्राम पंचायत के पास एक स्कूल के सामने होना था. बीडीओ कार्यालय से पहले ही पंचायत को सूचित कर दिया गया था. इसके बाद पंचायत की ओर से इलाके में प्रचार भी किया गया. सुबह कई लोग सेवा लेने के लिए उस इलाके में पहुंचे. पता चला कि स्वास्थ्य विभाग के किसी लिखित निर्देश के बिना ही जहां पहले कैंप होना था, वहां से करीब चार किलोमीटर दूर कैंप लगाया जा रहा है.इस घटना को लेकर इलाके में राजनीतिक तनातनी शुरू हो गई है. तृणमूल में गुटबाजी सामने आई है.

स्थानीय तृणमूल संचालित पंचायत के उप-प्रधान शेख मनीरुल स्थानीय नेतृत्व के खिलाफ उंगली उठा रहे हैं. उनका कहना है कि पार्टी के नेताओं ने ही पंचायत को नीचा दिखाने के लिए यह घटना को अंजाम दिया है. लोग सेवा से वंचित हो रहे हैं. नेता ही बार-बार पंचायत को दबाव में डालने की कोशिश कर रहे हैं.उनकी इस टिप्पणी को लेकर बहस शुरू हो गई है. हालांकि, गुटबाजी के सिद्धांत को तृणमूल के तारकेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप सिंह राय ने खारिज कर दिया है. उनका कहना है कि कोई विवाद नहीं है.

चलती-फिरती स्वास्थ्य सेवा की जगह स्वास्थ्य विभाग तय करता है. उस इलाके में एक व्यक्ति की मृत्यु के कारण स्थान बदला गया.इधर, विपक्षी पार्टी भी कटाक्ष करने से नहीं चूक रहे हैं. भाजपा के आरामबाग संगठनात्मक जिले के सह-अध्यक्ष का सवाल है, अपना विवाद खुद सुलझाएं. लोगों को परेशान क्यों किया जा रहा है?दूसरी ओर, स्थान परिवर्तन के बारे में तारकेश्वर ग्रामीण अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शेख हनीफ कह रहे हैं कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर ही उन्होंने सेवा प्रदान की है. इससे अधिक कुछ कहना संभव नहीं है.

गीता-कुरान और हिन्दू-मुसलमान

चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में ध्रुवीकरण का 'कॉकटेल', भगवा-ए-हिन्द की गूंज

बंगाल चुनाव से पहले का माहौल पूरी तरह से गीता वर्सेस कुरान के नैरेटिव पर सेट हो चुका है. अगर यह ध्रुवीकरण इसी तीव्रता से जारी रहा, तो सत्ता का महल वही बनाएगा जो 'बहुसंख्यक' की भावनाओं को अपने पक्ष में लामबंद कर पाएगा और इस रेस में जो भी ताकतवर खेल खेल पाएगा, वही जीतेगा.

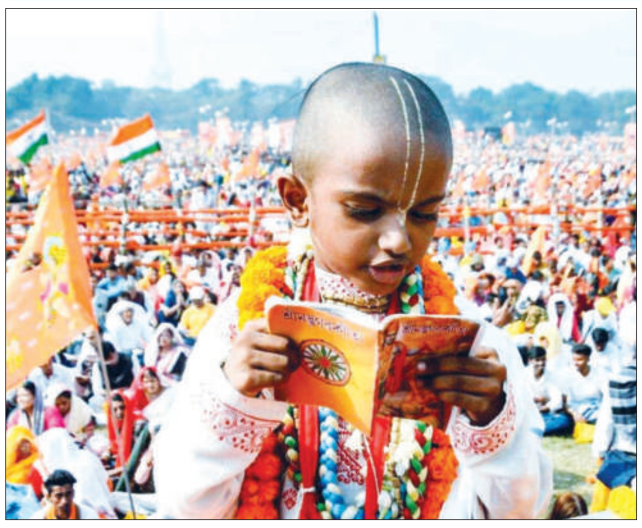

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की राजनीति इस वक्त एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है, जहां हवाओं में 'सोनार बांग्ला' के वादे कम और 'धर्मयुद्ध' का शोर ज्यादा सुनाई दे रहा है. कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड से लेकर मुर्शिदाबाद की गलियों तक, सियासी बिसात पर मोहरे बिछ चुके हैं. एक तरफ 5 लाख कंठों से फूटता 'गीता का पाठ' है, तो दूसरी तरफ 'एक लाख लोगों के कुरान पाठ' का अल्टीमेटम. हिन्दू मुसलमान खूब हो रहा है. इस धार्मिक रस्साकशी के बीच अगर कोई सबसे ज्यादा फंसा हुआ नजर आ रहा है, तो वह हैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी. रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में जो हुआ, वह सामान्य नहीं था. यह मैदान वामपंथियों और टीएमसी की विशाल रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस बार यहां 'सनातन संस्कृति संसद' के बैनर तले लगभग लाखों लोगों ने एक साथ श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया. दावा किया जा रहा कि इस भीड़ में 5 लाख हिन्दू थे. मंच पर संतों की मौजूदगी थी. महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, पद्मभूषण साध्वी ऋतंभरा और बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री. लेकिन, इस धार्मिक आयोजन के सियासी मायने तब स्पष्ट हो गए जब वहां बंगाल भाजपा का पूरा शीर्ष नेतृत्व मौजूद दिखा. केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और यहां तक कि राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस की उपस्थिति ने साफ कर दिया कि यह केवल आध्यात्मिक आयोजन नहीं, बल्कि 2024 और 2026 के चुनावों के लिए 'हिन्दू वोट बैंक' के एकीकरण का शंखनाद है. बागेश्वर बाबा और साध्वी ऋतंभरा के बयानों ने आग में घी का काम किया. उनका संदेश स्पष्ट था हम गजवा-ए-हिंद नहीं, भगवा हिंद चाहते हैं. साध्वी ऋतंभरा ने कहा, ये राष्ट्र राम का है, राम का ही रहेगा और धीरेंद्र शास्त्री का यह कहना कि राम पर टिप्पणी करने वालों की ठठरी बांध दी जाएगी, भाजपा के उस कोर वोटर को साधने की कोशिश है जो ममता राज में खुद को उपेक्षित महसूस करता है. भाजपा जहां एक तरफ हिन्दुत्व की पिच पर आक्रामक बैटिंग कर रही है, वहीं ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चिंता उनके अपने बनते जा रहे हैं. टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने जो ऐलान किया है, उसने ममता के पारंपरिक 'मुस्लिम वोट बैंक' में सेंधमारी का खतरा पैदा कर दिया है. हुमायूं कबीर का बयान कि अगर हिन्दू गीता का पाठ कर रहे हैं, तो हम एक लाख मुसलमानों को लेकर कुरान का पाठ कराएंगे, सीधे तौर पर काउंटर पोलराइजेशन की कोशिश है. कबीर मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर मस्जिद बनाने की नींव रख चुके हैं. उनका तर्क है कि अगर राम मंदिर बन सकता है, तो बाबरी की याद में मस्जिद क्यों नहीं? अगर ममता हुमायूं कबीर का विरोध करती हैं तो मुस्लिम समुदाय में संदेश जाएगा कि 'दीदी' अब सॉफ्ट हिन्दुत्व की राह पर हैं, जिससे उनका कोर वोट बैंक मुस्लिम ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम या आईएसएफ या हुमायूं कबीर जैसे नेताओं की तरफ छिटक सकता है. अगर ममता चुप रहती हैं तो बीजेपी यह प्रचारित करेगी कि ममता तुष्टिकरण कर रही हैं और हिन्दुओं के खिलाफ हैं. इससे हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में और तेज होगा. अधीर रंजन चौधरी का बयान कि ममता चुप क्यों हैं? यह दर्शाता है कि कांग्रेस भी टीएमसी के मुस्लिम वोट बैंक में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाना चाहती है. वे ममता को घेर रहे हैं ताकि मुस्लिम वोटर समझें कि ममता अब उनके हितों की रक्षक नहीं रहीं. गीता पाठ, साध्वी ऋतंभरा के उग्र बयान और 'जय श्री राम' के नारे बंगाल के हिन्दू वोटर (विशेषकर दलित और ओबीसी, जो टीएमसी से नाराज हैं) को एकजुट कर रहे हैं. ब्रिगेड ग्राउंड की भीड़ इसका प्रमाण है. हुमायूं कबीर और अन्य मुस्लिम नेताओं द्वारा अलग पार्टी या मोर्चा बनाने से टीएमसी का 'एकाधिकार' टूटेगा. मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे गढ़ में अगर टीएमसी कमजोर होती है, तो उनकी सत्ता की कुर्सी डगमगा जाएगी. ममता बनर्जी इस समय इधर कुआं, उधर खाई की स्थिति में हैं. भाजपा उन्हें 'एंटी-हिन्दू' साबित करने पर तुली है, और हुमायूं कबीर जैसे नेता उन्हें 'मुस्लिम विरोधी' या 'कमजोर रक्षक' साबित करने में लगे हैं.

राज्य सरकार की मंजूरी से बन रही है बाबरी मस्जिद, मुख्यमंत्री हिंदू विरोधी: शमिक भट्टाचार्य

कोलकाता: ब्रिगेड गीता पाठ कार्यक्रम में शामिल होकर शमिक भट्टाचार्य ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है. उनका कहना है कि राज्य सरकार की मंज़ूरी से बाबरी मस्जिद का निर्माण हो रहा है. पश्चिम बंगाल में बाबर का शासन चल रहा है, यह सरकार हिंदू विरोधी सरकार है. यह सरकार भारतीय मुसलमानों के पक्ष में भी नहीं है, यह कट्टरवाद के पक्ष में है, अलगाववाद के पक्ष में है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि यह स्वाभाविक है कि भारत की धरती पर, श्री कृष्ण की धरती पर गीता पाठ का आयोजन हो. इसके लिए लोगों को संगठित होना पड़ता है और उन्हें तरह-तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है. इससे साबित होता है कि पश्चिम बंगाल में इस समय क्या स्थिति है. राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए शमिक भट्टाचार्य ने आगे कहा कि इस सरकार की मुख्यमंत्री बांग्लादेशी हिंदू विरोधी और शरणार्थी विरोधी है. मुख्यमंत्री को लगता है कि यह एक अलग देश है और वह उस देश के प्रधानमंत्री हैं. लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं हो सकता. पूर्व भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने भी बंगाल के लोगों के बीच विभाजन की राजनीति करने के लिए राज्य सरकार पर हमला किया. उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल हिंदुओं और मुसलमानों के नेतृत्व में विभाजन का शिकार हुआ. हिंदू समाज संगठित नहीं था, इसलिए हम विभाजन के शिकार हुए. लाखों लोग अभी भी गुलामी का जीवन जी रहे हैं. बांग्लादेश में हमारे भाइयों पर अत्याचार हो रहे हैं . मठों और मंदिरों को नष्ट किया जा रहा है , माताओं और बहनों की इज्जत को तार-तार किया जा रहा है. पश्चिम बंगाल में ऐसा न हो, इसके लिए संतों ने यहां हिंदुओं को जगाने का बीड़ा उठाया है. उन्होंने हमें आदेश दिया है कि हम आएं, लाखों की संख्या में गीता का पाठ करें और हिंदुओं को संगठित करें. ताकि कोई दूसरा विभाजन न हो. हिंदुओं को गुलाम न होना पड़े. हिंदू राज्य भारत में अपना सिर ऊंचा करके रहेगा. जहां भगवान ने दस बार जन्म लिया ... इसीलिए गीता का आयोजन किया जा रहा है. केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, आज कुछ लोग कह रहे हैं कि इनमें से 90 प्रतिशत असली हैं. यहाँ सब रह सकते हैं. लेकिन हिंदुओं के लिए तो यह हिस्सा था. लेकिन अगर हिंदू यहाँ प्रवासी बन गए , तो यह चिंता का विषय है. अगले साल चुनाव हैं. उससे पहले, क्या इस गीता पाठ कार्यक्रम के आयोजन के पीछे कोई राजनीतिक मकसद है ? इस संभावना को खारिज करते हुए, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, इस कार्यक्रम का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है. यह पूरी तरह से निराधार है.

बांग्लादेशी व्यक्ति ने मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए मृत व्यक्ति के दस्तावेज चुराए!

कोलकाता: इस बार एक बांग्लादेशी पर मृत व्यक्ति के दस्तावेज़ चुराकर इस देश की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने का आरोप लगा है. यही नहीं बांग्लादेशी ने एसआईआर फॉर्म भरते समय मृत व्यक्ति को अपना पिता भी दिखाया है. मृतक अजीत सरकार के बेटे असीम सरकार यह देखकर हैरान रह गए. यह घटना उत्तर 24 परगना के हिंगलगंज में रामेश्वरपुर-बरुनहाट पंचायत के बूथ संख्या 34 पर हुई. मृतक के बेटे ने हसनाबाद थाने में आरोपी बांग्लादेशी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करा दी है. पीड़ित असीम सरकार के परिवार ने भी आरोपी का नाम तुरंत मतदाता सूची से हटाने की मांग की है. इस बीच, बांग्लादेशी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए खुद को सही ठहराने की कोशिश की है. उसने दावा किया है कि उसने यह गैरकानूनी काम इसलिए किया क्योंकि मृतक का नाम और उपनाम उसके पिता के नाम से मिलता-जुलता था. इस पूरे घटनाक्रम ने सत्तारूढ़ और भगवा खेमे के बीच राजनीतिक रस्साकशी शुरू कर दी है. तृणमूल ने भाजपा पर साज़िश का आरोप लगाया है, तो भगवा खेमे ने पैसे के बदले बांग्लादेशी नागरिकों के भारतीय पहचान पत्र बनाने का आरोप लगाया है. आरोप-प्रत्यारोप को लेकर हिंगलगंज विधानसभा क्षेत्र में भी राजनीतिक माहौल गरमाने लगा है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आरोपी बांग्लादेशी का नाम बिभूति सरकार है. यह बांग्लादेशी व्यक्ति 30 साल पहले अवैध रूप से सीमा पार करके भारत में घुस आया था. तब से वह हिंगलगंज के रामेश्वरपुर इलाके में रह रहा है. वह न केवल वहां का स्थायी निवासी बन गया है बल्कि आरोप है कि बिभूति ने बेईमानी से इस देश के वोटर और आधार कार्ड भी बनवाए हैं. लेकिन उस बेईमानी को अंजाम देते हुए उसने अपने पड़ोसी असीम सरकार के मृत पिता को अपना पिता बता दिया है. हिंगलगंज विधानसभा के बूथ संख्या 34 के लिए

प्रकाशित संशोधित मतदाता सूची में भी अजीत सरकार का नाम बिभूति सरकार के पिता के रूप में दर्ज है. हालाँकि, अजीत सरकार की कुछ साल पहले मृत्यु हो चुकी है. इस बांग्लादेशी व्यक्ति ने एसआईआर गणना प्रपत्र में मृत व्यक्ति की पहचान अपने 'पिता' के रूप में की है. मामला सामने आते ही इलाके में हड़कंप मच गया. मृतक अजीत सरकार के बेटे असीम भी सदमे में हैं. खतरे की आशंका से उन्होंने तुरंत पुलिस से संपर्क किया. हसनाबाद थाने में आरोपी के खिलाफ सूचना से छेड़छाड़ की शिकायत भी दर्ज कराई गई है. उस शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. हालाँकि, परिवार का दावा है कि अभी तक उसे न तो हिरासत में लिया गया है और न ही गिरफ्तार किया गया है. हालांकि, प्रशासन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है. मृतक अजीत की बहू शुक्ला सरकार ने कहा, अजीत सरकार मेरे ससुर हैं. उनका बहुत पहले निधन हो गया था लेकिन बिभूति सरकार नाम का वह व्यक्ति उनके दस्तावेज़ चुराकर मतदाता बन गया. वह हमारे परिवार से नहीं है. हम चाहते हैं कि पुलिस उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करे. इस बीच, अजीत सरकार के दस्तावेज़ बिभूति सरकार तक कैसे पहुँचे? इस सवाल का जवाब देते हुए आरोपी बांग्लादेशी व्यक्ति ने कहा, 1996 में बांग्लादेश से इस देश में आने के बाद, मैं मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए किसी से संपर्क नहीं कर रहा था. फिर, कंप्यूटर पर मतदाता सूची खोजते समय, मैंने पाया कि मेरे बांग्लादेशी पिता, जो भारत में रहते हैं, अजीत सरकार का नाम और उपनाम बिल्कुल एक जैसा है. वह मेरे असली पिता नहीं हैं. मैंने उनकी जानकारी में हेराफेरी करके अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवाया. इस मामले में पंचायत सदस्य ने भी मेरी मदद की. मैंने सुना है कि मेरे खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है. लेकिन, पुलिस ने मुझे अब तक थाने से संपर्क करने के लिए नहीं कहा है. दूसरी ओर, तृणमूल के स्थानीय पंचायत सदस्य विश्वजीत नाथ ने खतरे को भांपते हुए खुद को बांग्लादेशी बिभूति सरकार से अलग करने की कोशिश की है. उनका दावा है, मैं बिभूति सरकार के किसी भी व्यक्ति को नहीं जानता. हालाँकि, मुझे इतना पता है कि असीम मृतक अजीत सरकार का इकलौता बेटा है. मैं यह नहीं कह सकता कि आरोपी का नाम मतदाता सूची में कैसे आया. अगर कोई गैरकानूनी गतिविधि हुई है, तो प्रशासन ज़रूर मामले की जांच करेगा. भाजपा तृणमूल के खिलाफ साजिश रचकर उसे बदनाम करने की कोशिश कर रही है. यह सब करने से कोई खास फायदा नहीं होगा, मैं इतना कह सकता हूँ. भगवा खेमे ने इस संबंध में सत्तारूढ़ दल के खिलाफ आवाज उठाई है. स्थानीय भाजपा नेता राजेंद्र साहा ने कहा, हम बार-बार कह रहे हैं कि बशीरहाट अनुमंडल के सीमावर्ती इलाके में पैसे के बदले बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार वोटर कार्ड बनाए जा रहे हैं.

हुमायूं कबीर बंगाल में ओवैसी के साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रख कर मीडिया की सुर्खियों में छा गए हैं. वहीं अब विधायक हुमायूं कबीर ने आज बड़ा राजनीतिक बयान दिया. उन्होंने कहा कि वे आने वाले चुनावों से पहले असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ संभावित गठबंधन पर बातचीत कर रहे हैं. कबीर के अनुसार, इस गठबंधन का उद्देश्य पश्चिम बंगाल में बीजेपी और तृणमूल दोनों को रोकना है. यह बयान तब आया जब कुछ घंटे पहले ही कबीर ने बेलडांगा में बाबरी मस्जिद जैसी दिखने वाली एक मस्जिद का नींव पत्थर रखा. यह कार्यक्रम भारी सुरक्षा के बीच हुआ और 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी पर आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम की शुरुआत कुरान की तिलावत से हुई, जिसके बाद नींव पत्थर रखने का समारोह हुआ. कबीर ने दावा किया कि इस मौके पर सऊदी अरब के दो मौलवियों सहित हज़ारों लोग मौजूद थे. वहां नारा-ए-तकबीर और अल्लाहु अकबर के नारे लगातार सुनाई दे रहे थे. इसी दौरान स्थानीय लोग पूरे दिन समूह बनाकर प्रस्तावित मस्जिद के लिए ईंटें लाते रहे. इस विवादित परियोजना के कारण कबीर को इस हफ्ते की शुरुआत में ढचउ से निलंबित कर दिया गया था. उनका आरोप है कि कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिशें की जा रही हैं. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और जिला प्रशासन उनकी पूरी मदद कर रहा है. यह मामला कलकत्ता हाई कोर्ट तक पहुंचा. कोर्ट ने निर्माण कार्य में दखल देने से तो इनकार कर दिया, लेकिन ममता बनर्जी सरकार को निर्देश दिया कि वे कानून-व्यवस्था बिगड़ने से रोकने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाएं. सत्ताधारी ढचउ ने इस प्रोजेक्ट से और हुमायूं कबीर से पूरी तरह दूरी बना ली है. पार्टी ने इसके बजाय पूरे राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव बढ़ाने के लिए सहनति दिवस (एकता दिवस) मनाने का फैसला किया है.

पैसों के लेन-देन को लेकर युवक की पिटाई और गोली मारकर हत्या

आक्रोशित भीड़ ने आरोपी की दुकान में की तोड़फोड़, लकड़ी के सामान में लगाई आग

कोलकाता: पैसों के लेन-देन को लेकर एक युवक की कथित तौर पर पीट-पीटकर और गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने उसके घर से एक किलोमीटर दूर एक बांस के बाग में उसका खून से लथपथ शव बरामद किया. मृतक की पहचान असदुल मंडल के रूप में हुई है. इस घटना के चलते रविवार को उत्तर 24 परगना के बशीरहाट के फतुराती गांव में तनाव व्याप्त हो गया. घटना के बाद, आक्रोशित भीड़ ने आरोपी आमिर अली मंडल की दुकान में तोड़फोड़ की. उन्होंने दुकान का लकड़ी का सामान भी बाहर निकालकर आग लगा दी. बाद में, बशीरहाट थाना पुलिस ने आकर स्थिति को नियंत्रण में किया. पुलिस ने हत्या के सिलसिले में आमिर अली मंडल समेत दो अन्य लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है. घटना की जांच शुरू कर दी गई है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि हत्या के पीछे पैसे को लेकर विवाद था. इसके पीछे कोई और वजह तो नहीं है, इसकी भी जांच की जा रही है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि युवक की हत्या कैसे की गई. हत्या के मामले में मुख्य आरोपी आमिर अली मंडल समेत कुल तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर इस संबंध में और जानकारी हासिल करने की कोशिश की जा रही है. हालांकि गांव में तनाव है, लेकिन स्थिति अब नियंत्रण में है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक 25 वर्षीय युवक के घर में उसके बुजुर्ग माता-पिता के अलावा

पत्नी और बच्चे हैं. असदुल एक लोन कंपनी में काम करता था. इसी वजह से उसने गांव के कई लोगों को कम ब्याज पर लोन दिलवाया था. युवक रोज़ सुबह घर से निकलकर कोलकाता काम पर जाता था और रात में काम से घर लौटता था. शनिवार रात में जब वह काम से घर नहीं लौटा तो परिवार वालों को उसकी चिंता हुई. उन्होंने उसके मोबाइल पर कॉल करके संपर्क करने की कोशिश भी की. लेकिन उसका मोबाइल स्विच ऑफ होने के कारण संपर्क नहीं हो सका. रात भर की चिंता के बीच, रविवार सुबह युवक के घर एक बुरी खबर आई. स्थानीय पुलिस स्टेशन ने आकर उसके परिवार को बताया कि असदुल का शव बरामद हुआ है. परिवार वाले तुरंत बशीरहाट उपजिला अस्पताल गए. उनलोगों ने देखा कि असदुल का बेजान शरीर एक ट्रॉली पर पड़ा था. गर्दन पर गोली लगने का निशान भी था. परिवार के एक सदस्य ने बताया कि असदुल के चेहरे के एक तरफ़ काफ़ी ख़ून था. उस पर किसी भारी चीज़ से वार भी किया गया था और उसके सिर का अगला हिस्सा टूट गया था. उसे गोली भी मारी गई थी. साफ़ दिख रहा था कि गोली उसके गले से होकर निकल गई थी. यह दृश्य देखने लायक़ नहीं था. इस बीच, असदुल की बुज़ुर्ग मां रेहेना खातून अपने बेटे की गोली मारकर हत्या की खबर सुनकर फूट-फूट कर रो रही थीम. उन्होंने कहा, मेरे बेटे जैसा बेटा अब कभी नहीं होगा. गाँव में सब जानते हैं कि उसके जैसा मासूम बेटा अब कभी नहीं होगा. मुझे नहीं पता कि उसे इस तरह क्यों मारा गया. मेरा बेटा अब कभी घर नहीं लौटेगा. कैसे लौटेगा? आमिर अली ने उसे मार डाला. मैं उसके लिए कड़ी सज़ा चाहती हूँ. काश वो अपने परिवार को फिर कभी न देख पाए. मोहम्मद इशाक अली मंडल नाम के एक ग्रामीण ने कहा, आमिर मंडल पर पहले भी अपनी माँ की हत्या का आरोप लगा था. गाँव में उसके जैसा कोई दूसरा बदमाश नहीं है. आमिर का स्वभाव अलग-अलग लोगों से पैसे उधार लेना है. जब वह पैसे माँगने जाता है, तो वह लोगों के साथ दुर्व्यवहार करता है, गाली-गलौज करता है, मारपीट करता है. हमें शक है कि आमिर ने असदुल से लाखों रुपये का कर्ज भी लिया था. उसने निर्दोष असदुल को मारने की योजना बनाई ताकि उसे पैसे न चुकाने पड़ें.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | सोमवार | 8 दिसम्बर, 2025

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है. वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा. दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था. लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है. हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं. वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं. इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है. उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे. जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था. वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती. यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं. साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया. इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे. निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है. लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना. बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा. हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था. साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे. जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है. इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है. इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है. जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके. उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके. निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है. ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है. घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है. वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें. महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता. विपक्ष को लोकतंत्र के हित में विरोध के साथ रचनात्मक सहयोग भी करना चाहिए. लोकतंत्र को संबल देने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जहां सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका है, वहीं राजनीतिक दलों व आम नागरिकों के भी दायित्व हैं. नागरिकों को राष्ट्रीय कार्यों में नागरिक धर्म का भी निर्वाह करना चाहिए. आम लोगों की सजगता व सक्रियता बूथ लेवल अधिकारियों के बोझ को कुछ कम जरूर कर सकती है.

जब शिक्षा अभिभावक के लिए आर्थिक बोझ बन जाए, तब गहन विचार जरूरी है!

– युगल किशोर शर्मा

भारत का मध्यम वर्ग हमेशा से अनकहा विश्वास अपने दिल में सँजोए रखता है कि शिक्षा ही उसके बच्चों का भविष्य बदल सकती है. इस वर्ग की पहचान ही इसी उम्मीद से होती रही है कि भले ही आय सीमित हो और खर्च अधिक, किंतु बच्चों की शिक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा. पर साल 2025 में सामने आए आंकड़े बता रहे हैं कि जिस शिक्षा को मध्यम वर्ग अब तक अपने सपनों की सबसे सुरक्षित सीढ़ी समझता आया है, वही सीढ़ी इतनी महंगी हो चुकी है कि लाखों परिवार उसके पहले पायदान पर पैर रखने से पूर्व ही हाँफने लगे हैं. हाल ही में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की लिंक्डइन पोस्ट ने इस चिंता को और तेज कर दिया है. पोस्ट में बताया गया कि एक सामान्य, साधारण निजी स्कूल (किसी प्रीमियम इंटरनेशनल संस्था की बात नहीं) में पहली से बारहवीं तक पढ़ाई कराने में कुल खर्च 20 से 22 लाख रुपए तक पहुँच रहा है. यह राशि सिर्फ फीस नहीं है; इसमें किताबें, यूनिफॉर्म, ट्रांसपोर्ट, स्मार्ट-क्लास, ट्यूशन, गैजेट और आजकल हर घर में अनिवार्य बन चुकी ऑनलाइन शिक्षण सामग्री भी शामिल है. दूसरी ओर बात यदि प्रीमियम स्कूलों में किए जानेवाले खर्च की हो तो यह राशि 35 से 40 लाख तक पहुँच रही है. चर्टर्ड अकाउंटेंट और टीचर मीनल गोयल की इस लिंक्डइन पोस्ट के अनुसार प्राइमरी स्कूल (कक्षा 1-5) से 5.75 लाख रुपए, मिडिल स्कूल (कक्षा 6-8) से 5.9 लाख रुपए तथा हाई स्कूल (कक्षा 9-12) तक में 9.2 लाख रुपए, इस तरह से कुल खर्च: 20 से 22 लाख रुपए तक हो जाता है. यह एक ऐसा ग्राफ है जो हर साल ऊपर चढ़ रहा है और उस पर मध्यम वर्ग की कमाई का ग्राफ कहीं नीचे ठहर गया है. ऐसे में स्वाभाविक है कि चिंताएँ बढ़ेंगी. इन चिंताओं को राष्ट्रीय सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) की साल 2024 की रिपोर्ट और भी वैधता देती है. रिपोर्ट कहती है कि पिछले दस वर्षों में शहरी निजी स्कूलों की फीस में 169 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. यह वृद्धि सामान्य महंगाई दर से तो ऊपर है ही औसत वेतन वृद्धि को भी कई गुना पीछे छोड़ देती है. जब आय बढ़ने की रफ्तार 5 से 7 प्रतिशत हो और स्कूल फीस बढ़ने की रफ्तार 15 से 25 प्रतिशत तक पहुँच जाए तब इसका सीधा अर्थ है कि मध्यम वर्ग की आर्थिक नींव लगातार कमजोर होती जाएगी, जिसका कारण कहीं न कहीं अभिभावक का अपने बच्चों की पढ़ाई पर उठाया जा रहा व्यय है. दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद में स्थिति और भी गंभीर है. कई अभिभावक बताते हैं कि स्कूल हर साल 10 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ा रहे हैं, जबकि कई स्कूलों ने 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि कर दी है. दिल्ली सरकार ने निजी स्कूल फीस को नियंत्रित करने के लिए कई नियम बनाए, किंतु विद्यालयों ने उससे बचने के नए रास्ते निकाल लिए डेवलपमेंट फीस, इंफ्रास्ट्रक्चर फीस, एक्टिविटी फीस, टेक्नोलॉजी फीस, स्मार्ट-क्लास चार्ज और न जाने कितने नए नाम से धनराशि वसूली जा रही है. अभिभावक कहते हैं कि फीस कम हो भी जाए तो स्कूल अन्य शुल्क बढ़ा देता है, जिससे कुल राशि पहले से अधिक ही हो जाती है. कई बार तो ऐसा लगता है कि स्कूल बच्चों को पढ़ाने से ज्यादा सुविधाओं के नाम पर आय बढ़ाने में रुचि रखते हैं, जिन सुविधाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक पहुँच भी नहीं पाता. सबसे चिंताजनक स्थिति उन परिवारों की है जिन्हें कभी कल्पना भी नहीं थी कि उन्हें बच्चों की स्कूलिंग के लिए कर्ज लेना पड़ेगा, लेकिन आज यह वास्तविकता बन चुकी है. कई अभिभावक अपनी आय का 30 से 40 प्रतिशत सिर्फ स्कूल की फीस चुकाने में खर्च कर देते हैं. बाकी पैसा घर का किराया, मेडिकल खर्च और जरूरी चीजों में समेटना पड़ता है. कुछ परिवार अपनी जीवनशैली में बड़ी कटौतियाँ करने को मजबूर हो गए हैं; मनोरंजन, यात्राएँ, बचत, सबकुछ शिक्षा के नाम पर स्थगित कर दिया गया है. यहाँ तक कि ऐसे भी परिवार मिल रहे हैं जो बच्चों को स्कूल न भेजने या अपेक्षाकृत सस्ते विकल्पों पर विचार कर रहे हैं. शिक्षा का महत्व उनके लिए कम नहीं हुआ लेकिन उसकी लागत अब उनकी ताकत से बाहर निकलने लगी है. यह स्थिति उस बिंदु पर पहुँची है जहाँ शिक्षा का सपना अब प्रेरणा नहीं बल्कि बोझ महसूस होने लगा है. ऐसे में स्वभाविक है कि इस आर्थिक दबाव का असर परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है. माता-पिता साल भर 'अगले महीने की फीस' के तनाव में जीते हैं. यह तनाव बच्चों तक पहुँचता है और घर का वातावरण प्रभावित करता है. चिंता की बात यह है कि यह समस्या सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं है. छोटे शहरों में भी निजी स्कूल फीस लगातार बढ़ा रहे हैं. अंततः सवाल यह है कि यदि शिक्षा एक ऐसा आर्थिक बोझ बन जाए जिसके लिए परिवारों को कर्ज में डूबना पड़े या अपनी बुनियादी जरूरतों में कटौती करनी पड़े, तो इसे शिक्षा का विकास नहीं कहा जा सकता. यह सामाजिक असमानता के बढ़ने का संकेत है. जबकि शिक्षा वह सीढ़ी है जिस पर चढ़कर कोई भी परिवार अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति बदल सकता है. लेकिन यदि वही सीढ़ी इतनी महंगी हो जाए कि मध्यम वर्ग उसका पहला पायदान भी न छू पाए तो यह परिवारों के लिए ही नहीं देश के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है. अत: इस संबंध में अब यह आवश्यक हो गया है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें, भारत के नीति निर्माता, शिक्षा विशेषज्ञ और समाज मिलकर यह सोचे कि शिक्षा को कैसे फिर से उसके मूल स्वरूप में लौटाया जाए, जहां वह सभी के लिए समान रूप से अपनी योग्यता और आर्थिक क्षमता के अनुसार सुलभ, समावेशी और सभी के लिए समान रूप से देने के लिए उपलब्ध हो सके. क्योंकि यदि शिक्षा ही हाथ से निकल जाए तो भविष्य का सपना भी धीरे-धीरे खोने लगता है. ऐसे में स्वभाविक तौर पर भारत के प्रत्येक मध्यमवर्गीय परिवार की ये गहरी चिंता है, जिसका समाधान हर हाल में निकलना चाहिए. *(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

– योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं. भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है. यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है. नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी. यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में सक्रिय और आवश्यक घटक है. जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था. ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं. इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं. ऐसे समय में जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है. दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है. यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली साहसिक पहल भी है. भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है. साल 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है. यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है. इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है. शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है. आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन

कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा. यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा. फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है. भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है. कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है. रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है. भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है. रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है. सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है. रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा. यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है. क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है. एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है. पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं. रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति. दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा. भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है. यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है. यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी. इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया. भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है. ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है. यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं. रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है. पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं. इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता. यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति, तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि के संयोग से निर्मित हुआ है. यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है. ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है. भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला. साल 2030 का रोडमैप इस संबंध को केवल नई मंजिल की ओर नहीं ले जाता बल्कि दुनिया को संकेत देता है कि भारत अब उस युग में प्रवेश कर रहा है, जहां वह ध्रुवों की संरचना में योगदान देने वाली शक्ति है. रूस इस यात्रा में सहायक नहीं बल्कि सहयात्री है. यही कारण है कि यह रिश्ता आज पहले से अधिक प्रासंगिक है और आने वाले वर्षों में विश्व राजनीति की धुरी बदलने में यह संबंध एक निर्णायक भूमिका निभाएगा. यह भविष्य के निर्माण का ऐसा दस्तावेज है, जो स्पष्ट करता है कि भारत और रूस किसी तात्कालिक परिस्थिति के सहायक नहीं, बहुध्रुवीय, संतुलित और स्थिर विश्व-व्यवस्था के निर्माता हैं. यही वह पथ है, जो आने वाले समय में वैश्विक राजनीति के मानचित्र को परिवर्तित करेगा और यही वह कारण है कि भारत-रूस संबंध न केवल समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए दिशा-निर्देशक ध्रुव तारा बन चुके हैं. *(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

8 दिसम्बर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्म तारीख 8 दिसम्बर है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह शनि है. आपका जन्मांक मकर एवं कुम्भ राशि के अन्तर्गत आता है. इस माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है. आप वृहस्पति एवं शनि ग्रह के सम्मिलित प्रभाव में जीवन पर्यन्त रहेंगे. आप आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे. आप वातावरण के अनुसार अपने आपको बना लेंगे. आप अपने उत्तरदायित्व को निभाने में पूर्णरूपेण सक्षम होंगे. आप जो भी कार्य करेंगे वह उच्चस्तरीय होगा. साहसिक कार्यों की ओर आपका रुझान अधिक रहेगा. आप ईर्ष्यालु भी होंगे. स्पष्टवादी प्रवृत्ति का होने के कारण कुछ लोगों से आपका विरोध भी होगा. आपके जीवन में सुख सुविधा का अभाव रहेगा. आपके जीवन में आकस्मिक लाभ के क्षण भी आयेंगे. भावुक प्रवृत्ति का होने के कारण आप अधिकतर संकल्प-विकल्प की स्थिति में रहेंगे. अनुशासन के प्रति आप कठोर रुख अपनायेंगे. व्यर्थ का दिखावा आप पसन्द नहीं करेंगे. आप सदैव उच्चपद की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहेंगे. धार्मिक आध्यात्मिक कृत्यों में आपका झुकाव अधिक रहेगा. आप स्वतन्त्र विचारों वाले व्यक्ति होंगे. आप आर्थिक पक्ष को ज्यादा महत्व देंगे. कष्ट निवारण हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की अर्चना एवं पूजा अवश्य करें. अपने दैनिक जीवन में हरे एवं नीले रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें. शनिवार के दिन काले रंग की वस्तुओं का दान भी करें. शुद्ध शाकाहार जीवन व्यतीत करें. अपने हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें. परोपकार की भावना अपनावें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ शं शनैश्चराय नम:	मास	:	जनवरी, अप्रैल एवं दिसम्बर
व्रत	:	शनिवार	वर्ष	:	8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
दिन	:	सोमवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	:	हरा, नीला, काला एवं भूरा
दिनांक	:	8, 17, 26	जन्मरत्न	:	नीलम
उपरत्न	:	नीली	अंक	:	2, 4, 6, 7
जड़ी	:	लाल चन्दन की जड़			

यंत्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 20 जनवरी से 20 फरवरी, 20 सितम्बर से 20 अक्टूबर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2025

मेषः ग्रहयोग विपरीत, आकांक्षित सिद्धि में निराशा, व्यक्ति-विशेष से धोखे की आशंका, जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अहितकर, मानसिक कष्ट, व्यर्थ भ्रमण से धन हानि.

वृषभ : शारीरिक कष्ट में कमी, पुरातन समस्याओं का समाधान, सामाजिक गतिविधियों में रुचि, धर्म के प्रति आस्था, सुख-शांति का अनुभव, यशमान में वृद्धि, विरोधी परास्त.

मिथुनः आर्थिक पक्ष से संतोष, व्यापारिक वातावरण अनुकूल, पठन-पाठन में रुचि, स्वास्थ्य में पर्याप्त सुधार, सुसंदेश की प्राप्ति, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग.

कर्क : चिरवांछित कार्य बनने से प्रसन्नता, उल्लास का वातावरण, अधीनस्थ सहयोगियों से अपेक्षित सहयोग, मौज-मस्ती के निमित्त व्यय, मनोरंजन की ओर रुझान.

सिंह : परिस्थितियाँ भाग्य के प्रतिकूल, नवीन समस्याएँ उत्पन्न, विवाद होने की आशंका, कर्ज की अधिकता से परेशान, आय की तुलना में व्यय अधिक, यात्रा से हानि.

कन्याः बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता, अध्ययन में रुचि, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, कुछेक मसला हल, व्यक्तित्व का विकास, यश-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, हर्ष भी.

तुलाः व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, जनकल्याण की भावना, आनन्द की अनुभूति, कर्ज की निवृत्ति, भोग-विलास में रुचि, धर्म में आस्था, आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता.

वृश्चिक : विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, आर्थिक लाभ का सुयोग, पुरुषार्थ के प्रति रुचि, सोचे हुए कार्य पूर्णता की ओर, वरिष्ठजनों की सलाह से कामयाबी.

धनु : ग्रह स्थिति विपरीत, व्यक्ति-विशेष से विश्वासघात, व्यर्थ भ्रमण, मित्रों से तनाव, आर्थिक हानि संभव, व्यवसाय से असंतुष्ट, समस्याओं से परेशानी, शत्रु सक्रिय.

मकरः आरोग्य सुख, आर्थिक पक्ष में प्रगति, विवादास्पद मसला हल, राजकीय पक्ष से लाभ, योजना की शुरुआत, आपसी संबंध मधुर, आवागमन में लाभ, धार्मिक कार्य सम्पन्न.

कुम्भः व्यावसायिक क्षेत्र में उन्नति, सुसमाचार की प्राप्ति, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, अध्यात्म में रुचि, प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क, धार्मिक स्थलों की यात्रा.

मीनः पारिवारिक समस्याएँ सुलझने की ओर, अभीष्ट लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, कर्ज की निवृत्ति, वैवाहिक अड़चनें समापन पर, सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

डॉ. आम्बेडकर और आर्य आक्रमण का झूठ

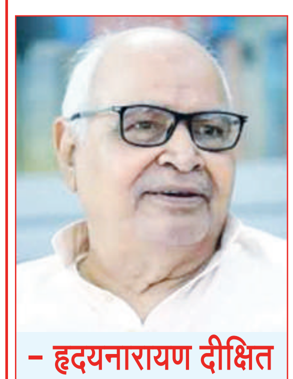

– हृदयनारायण दीक्षित

सम्प्रति राष्ट्र डॉ. आम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मना रहा है. उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं. डॉ. बी.आर. आम्बेडकर वास्तव में भारत रत्न हैं. प्रख्यात् मनीषी, संविधान सर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिर्माता. वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे. उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया. उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं. वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं. वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान है. प्रखर राष्ट्रवादी हैं. डॉ. आम्बेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे. राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे. वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे. उन्होंने ऋग्वेद सहित सम्पूर्ण प्राचीन भारतीय वाङ्.मय पढ़ा. उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रन्थ भी उनके प्रिय विषय रहे. उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया. शूद्रों को अलग नस्ल बताने वाली नेतागीरी का प्रतिकार किया. मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दलितों के लिए अनुपयोगी बताया. उन्होंने बहुचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धांत' का प्रतिकार किया. भारतीय इतिहास बोध के प्रेमी उनके ऋणी रहेंगे. राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है. ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है. डॉ. आम्बेडकर ने लिखा, यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता. पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है. भारत ही आर्यो का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में है. आर्यों और दस्युओं में युद्ध हुआ, यह साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं है. फिर दस्युओं का शूद्रों से कुछ लेना-देना नहीं है. (डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर राइटिंग्स एण्ड स्पीचेज खण्ड 7 पृष्ठ 420) आर्यों को विदेशी मानने का झूठ अभी भी जारी है. डॉ. आम्बेडकर की पुस्तक हू वेयर शूद्राज (शूद्र कौन थे ?) (1946) पठनीय है. उन्होंने एक विद्वान अधिवक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार दिये हैं. उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है. उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मुख्य स्थापनाएं बनाई- 1. जिन लोगों ने वैदिक साहित्य रचा था, वे आर्य नस्ल के थे. 2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था. 3. भारत के निवासी दास और दस्यु रूप में जाने जाते थे और ये आर्यो से नस्ल के विचार से भिन्न थे. 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे. 5. आर्यो ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त की. 6. दस और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए. 7. आर्यो में रंगभेद की भावना थी. इसलिए उन्होंने चातुर्वर्णय का निर्माण किया. इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया. (वही, खण्ड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों विचार बिन्दुओं की सभी स्थापनाओं को गलत बताया. ऋग्वेद के उद्धरण दिये और लिखा इन (शब्दो) के प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द नस्ल के अर्थ में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुए. (वही पृष्ठ 70) वे आर्यों को विदेशी बताने का तर्क काटते हैं जहाँ तक वैदिक साहित्य का सम्बंध है, वह इस सिद्धांत के प्रतिकूल है कि आर्यो का मूल निवास भारत से कहीं बाहर था. (वही) आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते. आर्य हम सबके पूर्वज थे. डॉ. आम्बेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यो और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया. उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिये और लिखा, आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे. अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया. श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है. डॉ. अम्बेडकर की स्थापना है इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यो में रंगभेद की भावना नहीं थी. ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे. आर्यों के दोनों अवतारी पुरुष श्रीराम व श्रीकृष्ण सांवले थे. महाभारत के प्रतिष्ठित योद्धा अर्जुन भी श्याम रंग के थे. समूचा आर्य समाज एक था. हिन्दू प्राचीन आर्य समाज की संज्ञा है. डॉ. आम्बेडकर ने लिखा हिन्दुओं से अछूतों को अलग करने की मांग पर मुसलमानों ने जोर दिया था. 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था. उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी हिंदुओं की संख्या के अनुसार निश्चित न किया जाना चाहिए वरन् सवर्ण हिंदुओं की संख्या के अनुरूप ही निश्चित होना चाहिए. उनका कहना था कि अछूत हिंदू नहीं हैं. (बाबा साहब राइटिंग्स एंड स्पीचेस, खण्ड 5 पृष्ठ 7) लिखा कि, 1909 में मुसलमानों की ओर से आगा खां ने वायसराय मिंटो के सामने आवेदन पेश किया था-राजनीतिक संस्थाओं और सार्वजनिक सेवाओं में मुसलमानों को पृथक् और पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए. 1901 में जो मर्दुमशुमारी हुई थी उसमें मुसलमान कुल आबादी का चौथाई या पांचवां हिस्सा थे. यदि हिन्दू समुदाय से अस्पर्श्य अंगों को निकाल दिया जाए, जो प्रकृति पूजक हैं या छोटे-मोटे धर्म मानने वालें हैं, वे निकाल दिये जाएँ तो बहुसंख्यक हिंदुओं के मुकाबले मुसलमानों की संख्या का अनुपात पहले से बढ़ जाता है. (खण्ड 7, पृष्ठ 311-12) ऋग्वेद में कहीं भी 4 वर्ण नहीं है. शब्द ब्राह्मण का भी वर्ण के अर्थ में प्रयोग नहीं हुआ. डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा (भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेष, पृष्ठ 53) है, ऋग्वेद में ब्रह्मन् शब्द बहुत बार आया है. इसका अर्थ ब्राह्मण वर्ण नहीं है. ब्रह्मन् की तरह अनेक बार ब्रह्मा का भी प्रयोग हुआ है. इसका मूल अर्थ प्रषस्तिपरक काव्य है. कवि इन्द्र से कहता है, हम तेरे लिए अभूतपूर्व स्तोत्र कहते हैं. (8.90.3) ब्रह्मन् की तरह ब्रह्मा भी कवि, गायक, स्तोता हैं. वशिष्ठ इसी अर्थ में ब्रह्मन् है. (8.90.3) इन्द्र वशिष्ठ से कहते हैं-हे वशिष्ठ, ब्राह्मन्, तू उर्वषी के मन से उत्पन्न हुआ है. (7.33.11) इन तमाम संदर्भो में स्तुति और स्तोत्र की चर्चा है. ब्राह्मणाम् का अर्थ ब्राह्मण जाति या वर्ण नहीं, कवि, ब्रह्मकार गायक है. राष्ट्र सर्वोपरि आस्था है. डॉ. आम्बेडकर ने लिखा, भारत एक भौगोलिक इकाई है. इस इकाई का निर्माण प्रकृति ने किया है. यह सही है कि भारतवासी आपस में झगड़ते रहते हैं परन्तु इन झगड़ों से उस एकता का नाश नहीं हो सकता जो प्रकृति के समान ही सनातन है. भौगोलिक एकता के साथ ही यहाँ सांस्कृतिक एकता भी है. डॉ. आम्बेडकर के निष्कर्ष रोमांचकारी हैं. भारत प्रकृति निर्मित राष्ट्र है. राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता प्रकृति के समान सनातन है. संविधान निर्माण के आखिरी दिन (25.11.1949) उन्होंने भावुक भाषण दिया. अन्त में कहा, यहां मैं अपना भाषण खत्म कर देता किन्तु मेरा मस्तिष्क देश की भविष्य चिन्ता से परिपूर्ण है. क्या भारत अपनी स्वतंत्रता बनाये रखने में कामयाब होगा ? जाति और मत-मतान्तर राजनैतिक पक्ष बन रहे हैं. क्या भारतीय मत-मतान्तरों को राष्ट्र से श्रेष्ठ मानेंगे या राष्ट्र के मत मतान्तरों से ऊपर ? डॉ. आम्बेडकर की आस्था का केन्द्र राष्ट्र था. हम सबको अपने भारतरत्न पर गर्व है. *(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं)*

न्यूज कॉर्नर

डोर टू डोर चलाया गया विधिक जागरूकता अभियान

पाकुड़: झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा,अमड़ापाड़ा समेत अन्य प्रखंडों के पंचायतों के पाडेरकोला, बड़ा घघरी, समेत गर्मीण क्षेत्रों में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स भरत कुमार साहा सौरभ कुमार यादव, जयंती टुडू, द्वारा डोर टू डोर विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें जादू-टोना प्रथा, बाल विवाह के नाम पर अत्याचार के खिलाफ ,सड़क दुर्घटना पीड़ित, प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के पीड़ित को मिलने वाले मुफ्त कानूनी सहायता समेत डॉन, संवाद, जागृति, आशा योजनाएँ पर लोगों को जागरूक की गई. इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाले निःशुल्क कानूनी सहायता समेत राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई.

हर्ल रांची ने आयोजित किया अपना विक्रेता संवाद डीलर मीट

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : रांची हर्ल द्वारा 5 दिसंबर 2025 को रांची झारखंड में अपना विक्रेता संवाद नामक भव्य डीलर मीट का सफल आयोजन किया गया. बिहार एवं झारखंड के कुल 100 डीलरों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रभावशाली बनाया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हर्ल के प्रबंध निदेशक डा. एस. पी. मोहंती थे. अपने संबोधन में एमडी ने हर्ल की वृद्धि एवं उपलब्धियों, यूरिया उत्पादन एवं संचालन प्रगति, उर्वरकों के आयात एवं उपलब्धता, वैश्विक उर्वरक परिदृश्य व रुझान, विस्तार योजनाओं तथा भविष्य की रणनीति पर महत्वपूर्ण विचार साझा किये. उनका भाषण प्रेरणादायक, सूचनापूर्ण और भारत के उर्वरक क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला था.कार्यक्रम का संचालन बिहार एवं झारखंड मार्केटिंग टीम द्वारा राज्य प्रमुख (मार्केटिंग) गीतम सिंह के नेतृत्व में किया गया. उन्होंने हर्ल की स्थापना से अब तक की यात्रा, प्रमुख व्यावसायिक उपलब्धियां, बिहार एवं झारखंड के महत्वपूर्ण योगदान तथा सभी डीलरों के सहयोग, समर्पण और निरंतर समर्थन के लिये आभार व्यक्त करते हुये विस्तृत प्रस्तुति दी. उन्होंने डीलरों को किसानों तक समय पर एवं विश्वसनीय उर्वरक उपलब्ध करवाने के मिशन में हर्ल को अहम साझेदार बताया.उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले डीलरों को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को स्मृति-चिह्न प्रदान किया गया. यह पूरा कार्यक्रम मार्केटिंग टीम बिहार एवं झारखंड के कुशल समन्वय से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

डीहारी अनशन पर बैठे जिप उपाध्यक्ष, मांगों का किया समर्थन

साहिबगंज : सदर प्रखंड के डिहारी, हाजीपुर भिट्ठा, भोलिया टोला और पटवर टोला गांव की दर्जनों महिलाएँ बीते 29 नवंबर से अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हैं. अपनी मांगों को लेकर इन गृहणियों ने राजमहल सांसद से भी हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि क्षेत्र के पर्यावरण और कृषि भूमि बचाई जा सके. अब इस मामले जिप उपाध्यक्ष सुनील यादव ने भी समर्थन दिया है. रविवार को सुनील यादव खुद धरना पर बैठ गए. उन्होंने महिलाओं की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि यदि सड़क निर्माण से ग्रामीणों की खेती और जलवायु पर खतरा उत्पन्न हो रहा है तो इसे स्थानांतरित किया जा सकता है.क्या है मामला.दरअसल यह पूरा मामला सिमिरतला झील, फोर लेन सड़क और प्रस्तावित हवाई अड्डे से बचाने की मांग से जुड़ा है. महिलाएं, पर्यावरण मित्र पंकज कुमार ओझा के चलाए जा रहे बचाव कार्यों के समर्थन में अपनी मांगों को लेकर अनशन कर रही हैं. महिलाओं ने बताया कि सिमिरतला झील को यथाशीघ्र पक्षी अभयारण्य घोषित करने, गौचर ज़मीन पर हवाई अड्डा न बनाए जाने और फोर लेन सड़क गांव से बाहर गौचर ज़मीन पर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर' पर स्थानांतरित करने की मांग की है. महिलाओं ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रवासी पक्षियों के प्रति सहानुभूति रखती हैं और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र तथा प्राकृतिक खेती को लेकर अत्यंत चिंतित हैं. उनका मानना है कि प्रस्तावित विकास परियोजनाएँ न सिर्फ पक्षियों के निवास को, बल्कि उनके गाँव की भूमि और आस-पास की उपजाऊ कृषि भूमि को भी नष्ट कर देंगी.

कृषि ऋण दिलाने के नाम पर ठगी मामले में आरोपी को भेजा जेल

बोरियो: थाना क्षेत्र के पुआल गांव में दर्जनों लाभुकों के साथ कृषि ऋण दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी मामले पर बोरियों पुलिस के द्वारा करवाई करते हुए आरोपी पंकज ठाकुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. साथ ही अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज जांच शुरू कर दी है. ज्ञात हो कि बीते दिनों पुआल गांव में कृषि ऋण दिलाने के नाम पर दर्जनों लाभुकों को ठगी का शिकार बनाया गया था. थाना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया ठगी के शिकार हुए पीड़ित श्यामू हेंब्रम के आवेदन पर थाना कांड संख्या 100/25 के बीएनएस के विभिन्न धाराओं में पंकज ठाकुर एवं राजेश सोरेन सहित अन्य लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी पंकज ठाकुर को गिरफ़्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है साथ ही अन्य आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है. मोबाइल पर आए मैसेज ने किया था मामले का पर्दाफाश. पीड़ित श्यामू हेंब्रम ने जानकारी देते हुए बताया कि बिचौलिया ने 18 हजार कृषि ऋण दिलाने तथा ऋण की राशि को आधा आधा बांटने साथ ही ऋण पुरी तरह माफ करने का झांसा दिया था, जिसके बहकावे में गांव दर्जनों लाभुक आ गए, इसके बाद बिचौलिया के द्वारा ऋण का 18 हजार राशि निकासी की बात कहकर उनलोगों को केवल 9 हजार राशि दिया था. तीन दिसम्बर शाम छह बजे के करीब एसबीआई अकाउंट से 53 हजार रुपया निकासी का मैसेज आने पर मामला खुलासा हुआ. इसके बाद दर्जनों लाभुकों ने बिचौलिया को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था.

पीएचईडी मुख्यालय भवन निर्माण की समीक्षा

मंत्री के निर्देश पर विशेष टास्क फ़ोर्स गठित, गुणवत्ता व समयसीमा पर होगी कड़ी निगरानी

युवाशक्ति न्यूज

पटना:माननीय मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग,संजय कुमार सिंह ने पटना स्थित नव-निर्माणाधीन लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मुख्यालय भवन का स्थल निरीक्षण कर कार्य प्रगति की समीक्षा की. निरीक्षण के दौरान विभागीय सचिव पंकज कुमार पाल, विशेष सचिव संजीव कुमार, अभियंता प्रमुख-सह-विशेष सचिव नित्यानंद प्रसाद समेत विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.निरीक्षण के दौरान रू0 83 करोड़ 24 लाख की लागत से निर्माणाधीन इस भवन के सभी घटको की तकनीकी गुणवत्ता की विस्तृत जाँच सुनिश्चित करने का निर्देश माननीय मंत्री द्वारा दिया गया. माननीय मंत्री ने कहा कि भवन की भविष्यगत आवश्यकताओं और विभागीय उपयोग को ध्यान में रखते हुए निर्माण के हर चरण में निर्धारित मानकों का पालन किया जाए. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भवन की मजबूती और दीर्घायु सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा.मंत्री के निर्देशानुसार परियोजना की सतत निगरानी के लिए विभाग ने एक विशेष टास्क टीम बनाने का निर्णय लिया है, जो निर्माण कार्य की दैनिक प्रगति की समीक्षा करेगा. साथ ही, संवेदक को साप्ताहिक कार्य योजना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है, जिससे कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों पर प्रभावी नियंत्रण बना रहे.निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने यह भी बताया कि विभाग प्रदेशभर में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के तहत क्षेत्रीय, अंचल, प्रमंडल तथा अवर-प्रमंडलीय कार्यालय भवनों एवं जल-जाँच प्रयोगशालाओं के निर्माण कार्य को तेज़ी से आगे बढ़ा रहा है. इससे विभागीय कार्य क्षमता में वृद्धि होगी और आम जनता को अधिक सुव्यवस्थित एवं बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी.

प्रदूषण की चादर में लिपटा खड़गपुर, अस्पताल के पास कूड़े का पहाड़-बढ़ रही गंभीर चिंता

खड़गपुर : खड़गपुर शहर में वायु प्रदूषण लगातार भयावह रूप ले रहा है. औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले धुएं के कारण शहर की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के करीब पहुंच गया है, जो जन-स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक माना जाता है.

इसी बीच खड़गपुर महकमा अस्पताल के समीप धोबीघाट इलाके में जमा हो रहे कूड़े के ढेर ने स्थिति को और चिंताजनक बना दिया है.

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस कचरे से बदबू फैल रही है, और अक्सर कूड़े में आग लग जाती है या कोई आग लगा देता है.

इसके कारण उठने वाला जहरीला धुआं वातावरण को ज्यादा प्रदूषित कर रहा है. लोगों का आरोप है कि इस धुएं से अस्पताल में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है.अस्पताल के सुपर गौतम माइती ने कहा कि यह भयंकर प्रदूषण हमारे मरीजों के लिए हानिकारक है. इस विषय में हम कई बार रेल और नगर पालिका को अवगत करा चुके हं. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सर्दियों में यह जहरीला धुआं क्षेत्र के अधिक लोगों में श्वसन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है.

इधर, पर्यावरण प्रदूषण के मुद्दे पर खड़गपुर नगर पालिका और रेल प्रशासन के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है. स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर पालिका का लगभग 70 वर्ष पुराना कोई भी स्थायी डंपिंग ग्राउंड नहीं है, जिसके कारण परेशानी बढ़ती जा रही है.खड़गपुर नगर पालिका की चेयरपर्सन कल्याणी घोष ने कहा कि जहां कचरा फेंका जा रहा है, वह रेल की जमीन है. कचरा रेल की ओर से ही वहां डाला जाता है. हम इस मुद्दे पर रेल विभाग को पत्र भेजेंगे.दूसरी ओर, रेल अधिकारियों से संपर्क करने के प्रयास के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी.-

बिरसा फसल योजना के तहत किसानों को बांटे गए उन्नत बीज

मंडरो : प्रखंड के कौड़ीखुटाना पंचायत अंतर्गत ग्राम रंगुकिता, कमलदाहा तथा हरियाला में रविवार को बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत किसानों के बीच उन्नत किस्म के सरसों पीएम,32, एनएससी बीज का वितरण किया गया. इस कार्यक्रम में कुल 147 किसानों को लाभान्वित किया गया.कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है. सरसों की उन्नत किस्म पीएम,32, एनएससी किसानों को कम समय में अधिक पैदावार देने के लिए जानी जाती है, जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है. स्थानीय किसानों ने सरकार द्वारा संचालित इस योजना की सराहना की

जिले में उद्योग धंधों को बचाने को लेकर सीटू ने निकाला विशाल पदयात्रा

आसनसोल : शिल्प, रोजगार, जिला और बंगाल को बचाने के संकल्प के साथ सेंट्रल ट्रेड यूनियन आफ इंडिया (सीटू) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विशाल पदयात्रा रविवार को जामुड़िया से की गई. शिल्प बचाओ, नौकरी बचाओ, जिला बचाओ एवं बंगाल बचाओ अभियान के तहत शुरू इस पदयात्रा में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने जोश के साथ भाग लिया.पदयात्रा की शुरुआत जामुड़िया के पुनियाटिह से हुई, जो जामुड़िया बाजार होते हुए आखलपुर मार्ग से नीमा डांगा पहुंची. दोपहर में थोड़े विश्राम के बाद यात्रा पुनः शिवडांगा से शुरू होकर नीघा कोलियरी होते हुए रोटी-बाटी मार्ग की ओर आगे बढ़ी. तय कार्यक्रम के अनुसार पहला दिन यहीं संपन्न हुआ.इस दौरान पूरे क्षेत्र में लाल झंडों और नारों से माहौल पूरी तरह आंदोलनमय हो उठा.

कार्यकर्ताओं ने बेरोजगारी, ठप होते उद्योगों, श्रमिकों के शोषण और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की.इस पदयात्रा में सीटू और वामपंथी संगठनों के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे. जिनमें प्रमुख रूप से महिला नेत्री मिनाक्षी मुखर्जी, माकपा पश्चिम बर्धमान जिला सचिव गौरांग चटर्जी, सीटू जिला सचिव प्रवीर मंडल, बस्ती उन्नयन कमिटी के जिला सचिव संजय प्रमाणिक, माकपा नेता तापस कवि, मनोज दत्ता, एमडी कलीमुद्दीन, सुमित कवि, विकास यादव, बुद्धदेव रजक, भरत पासवान और महिला नेत्री कृष्णा भट्टाचार्य शामिल रहीं.

इनके अलावा भाषा बाउरी, कुंतल चटर्जी, शुभाषीश बनर्जी, एमडी कयुम, मुन्ना अहीर समेत सैकड़ों समर्थक भी मौजूद थे. वक्ताओं ने सरकार पर उद्योगों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो श्रमिकों की हालत और बदतर हो जाएगी.

नेताओं ने साफ कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक मजदूरों को उनके अधिकार और जिले को उद्योगों का भविष्य सुरक्षित नहीं मिल जाता.

तीन दिनों तक चलने वाली यह पदयात्रा विभिन्न इलाकों से होकर गुजरेगी और आम जनता को इस आंदोलन से जोड़ा जाएगा.

क्रिसमस महोत्सव में गूँजा शांति-भाईचारे का संदेश, ईसाई समुदाय के लोग हुए शामिल

हिरणपुर: जिले के हिरणपुर पखंड के तोड़ाई स्थित चर्च में भव्य क्रिसमस महोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुई. जिसमें हजारों की संख्या में ईसाई समुदाय के लोग शामिल हुए. यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, उपायुक्त मनीष कुमार, अनुण्डल पदाधिकारी साइमन मरांडी, आइटीडीए निर्देशक अरुण एक्का आदि का परम्परागत रूप से स्वागत किया गया. कार्यक्रम में फादर चार्ल्स, फादर इमानुएल मुर्मू व फादर सिरिल सोरेन के द्वारा प्रभु यीशु को स्मरण करते हुए प्रार्थना कराई गई. फादर ने उपस्थित लोगों को प्रभु की सन्देश देते हुए कहा कि इस माह परमेश्वर यीशु की जन्म होने वाला है.

जिससे हम काफी हर्षित है. प्रभु की आगमन पर हम सभी खुशियां व्यक्त करते हुए आपसी भाईचारे व शांति का संदेश बांट रहे है. उन्होंने कहा कि दीन हीन लोगो की सेवा को लेकर प्रभु ने अपने पूरे जीवन को न्योछावर कर दिया था.

प्रभु ने विश्व को शांति व सेवा की महत्वपूर्ण सन्देश दिया था.इस महोत्सव में हम सभी प्रभु से प्रार्थना करते हुए आशीष मांग रहे है कि हम पर कृपा करें. उधर विधायक ने भी इस अवसर पर उपस्थित लोगों को क्रिसमस की शुभकामना व्यक्त किया. डीसी ने लोगो को क्रिसमस महोत्सव की शुभकामना देते हुए कहा कि प्रभु यीशु ने संसार को शांति व आपसी भाईचारे का संदेश दिया था.

आज भी यह संदेश विश्व शांति के लिए अहम बनी हुई है. हम सभी प्रभु की सन्देश को अंगीकार कर लोगो की सेवा करे. वही आपसी भाईचारा कायम रखे.

कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं द्वारा परम्परागत रूप से मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति की गई.

इस अवसर पर पूर्व विधायक दिनेश मरांडी, बीडीओ टुडू दिलीप, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, मुखिया जॉन जंतु सोरेन, तेरेशा टुडू सहित संत गोरेटटी विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

चटाई की आड़ में गांजा तस्करी, एक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के जंक्शन क्षेत्र में प्रधान नगर थाने की पुलिस ने चटाई की आड़ में गांजा तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया.गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने बस के जरिए गांजा ले जा रहे एक युवक को पकड़ा. उसकी चटाई बैग से 10 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया गया.गिरफ्तार आरोपित की पहचान मुर्शिदाबाद निवासी जरीप शेख के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार तस्कर अब चटाई, बोरी और बैग में विशेष चेंबर बनाकर ड्रग्स छिपाने के नए तरीके अपना रहे है. पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पाकुड़ विकास, अवैध कारोबार और गोपीनाथपुर कांड को मंच से उठाया

पाकुड़: जिला भाजपा कार्यालय के उद्घाटन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने अपने संबोधन में पाकुड़ जिले की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया.

उन्होंने आरोप लगाया कि पाकुड़ में अवैध कारोबार तेज़ी से फल-फूल रहा है तथा घुसपैठियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है. उन्होंने गोपीनाथपुर में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यहां खेतों में बम रखे जाते हैं और यह गंभीर सुरक्षा चुनौती है.

सम्मेलन में पाकुड़ से शामिल कई पदाधिकारियों में जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेत्री पिंकी मंडल भी मौजूद थीं, जिन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर रेलवे में ट्रेन स्टॉपेज, नई ट्रेन की मांग, गंगाजल आपूर्ति योजना में तेजी, अवैध कारोबार पर अंकुश और कानून व्यवस्था को मजबूत करने जैसी कई आवश्यक मांगों को रखा. नड्डा ने मंच से पिंकी मंडल के नाम का उल्लेख करते हुए गोपीनाथपुर प्रकरण को दोबारा उठाया. कार्यक्रम में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा सहित कई शीर्ष नेता उपस्थित रहे.

उपायुक्त मनीष कुमार ने वार्ड-स्तरीय सेवा शिविर को बनाया जवाबदेही का मॉडल, मौके पर ही दिलाईं त्वरित सेवाएँ देवघर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के आगमन के दौरान रामभक्त सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने नड्डा, केंद्रीय बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे को पत्र सौंपते हुए गौ माता को 'राष्ट्रीय माता' का दर्जा देने की मांग की.

इस मौके पर संगठन के देवघर जिला अध्यक्ष अरूप चक्रवर्ती, राष्ट्रीय अध्यक्षा (मातृशक्ति) रंजु झा, प्रियांशु चक्रवर्ती, दीपु राज, प्रदीप चौधरी समेत दर्जनों सदस्य मौजूद रहे. संगठन ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति का मूल आधार हैं, इसलिए उन्हें राष्ट्रीय सम्मान मिलना चाहिए.

रोज़गार पर ताला, पेट पर वार, खदान बंदी से मंझलाडीह में हाहाकार

पाकुड़:जिले के हिरणपुर पत्थर उद्योग क्षेत्र मंझलाडीह के ग्रामीणों ने डीसी मनीष कुमार को आवेदन देकर एक महीने से बंद पड़े खदान और क्रशरों को चालू कराने की मांग की है. आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि मंझलाडीह में मेसर्स लुत्फल हक के संचालित पत्थर खदान और क्रशर एक महीने से बंद पड़े है. जिससे ग्रामीणों को रोजगार मिलना बंद हो गया है. आवेदन में कहा गया है कि यहां के तकरीबन 1,000 परिवार रोजगार के लिए लुत्फल हक के पत्थर खदान और क्रशर पर आश्रित है. इन पत्थर खदान और क्रशरों में काम कर परिवार का भरण पोषण करते हैं. पत्थर खदान और क्रशरों के बंद हो जाने से इन परिवारों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है. अगर खनन और उत्पादन कार्य शुरू नहीं हुआ, तो हालात और भी बदतर हो सकती है. ग्रामीणों के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. इसलिए प्रशासन से अनुरोध किया है कि बंद पड़े पत्थर खदान और क्रशरों को शीघ्र चालू कराया जाए. इधर ग्रामीण वकील मरांडी, लखीराम हांसदा, रिजवान अंसारी, मो. इकबाल हुसैन, रॉबिन टुडू आदि ने बताया कि पत्थर खदान और क्रशरों के बंद होने से मंझलाडीह के एक हजार गरीब परिवार बेहद परेशान है. आर्थिक संकट की स्थिति से गुजर रहे हैं. इन परिवारों के सामने भुखमरी की स्थिति उत्पन्न होने लगी है. यहां के सारे ग्रामीण मजदूरी कर परिवार चलाते हैं. उनके सामने दूसरा कोई विकल्प बचा नहीं है. पत्थर खदान और क्रशर ही इन गरीब परिवारों के लिए रोजी-रोटी का माध्यम है. लेकिन एक महीने से भी ज्यादा समय से पत्थर खदान और क्रशरों को बंद कर रखा है. अगर यही स्थिति रही और काम चालू नहीं हुआ, तो स्थिति बद से भी बदतर हो जाएगी. इसलिए प्रशासन से हम ग्रामीणों का अनुरोध है कि बंद पड़े इन पत्थर खदान और क्रशरों को शीघ्र चालू कराया जाए.

तेघड़ा बाजार में विधायक रजनीश कुमार ने किया विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन

तेघड़ा/बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : तेघड़ा के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रजनीश कुमार ने रविवार को तेघड़ा बाजार के स्टेशन रोड में पुराना ब्लॉक के सामने नवनिर्मित तेघड़ा विधानसभा कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया. तेघड़ा के विधायक रजनीश कुमार ने बताया कि कार्यालय खुलने से तेघड़ा विधानसभा की सभी जनता को किसी भी प्रकार के कार्य जो हमारे क्षेत्र अंतर्गत और हमारे अधिकार क्षेत्र का होगा उसके लिये हमारे कार्यालय में आकर हमसे मिलकर अपनी बात रख सकते है. विधायक ने बताया कि हम सप्ताह में दो दिन इस कार्यालय में समय देंगे जनता की समस्या सुनेंगे और उसका निराकरण भी होगा. उन्होंने कहा कि कार्यालय के अलावा हम संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच भ्रमण करते रहेंगे. इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास कुमार, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील सिंह, शंभू सिंह, कृष्णनंदन सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार, जदयू बरौनी नगर अध्यक्ष पंकज राय, अशोक कुमार सिंह भासो पूर्व उप मुख्य पार्षद सुरेश रौशन, भूपेश कुमार, शालिनी देवी, अनुराधा झा सहित सैकड़ों एनडीए कार्यकर्ता और आम जनता उपस्थित थे.

तेघड़ा बाजार से जाम हटाने हेतु सिपाही और वोलंटियर को करें तैनात: सुरेश रौशन

तेघड़ा/ बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : तेघड़ा नगर परिषद के पूर्व उप मुख्य पार्षद सह समाजसेवी सुरेश रौशन ने रविवार को तेघड़ा के विधायक रजनीश कुमार से तेघड़ा बाजार स्थित नवनिर्मित विधानसभा कार्यालय में उद्घाटन के अवसर पर मिलकर अपनी मांग रखा. सुरेश रौशन ने विधायक रजनीश कुमार से तेघड़ा बाजार में लगने वाले जाम से निजात दिलाने हेतु दो वर्दीधारी सिपाही और आधा दर्जन नगर परिषद के वोलंटियर को नियमित ड्यूटी पर तैनात करने की मांग की. सुरेश रौशन ने बताया कि अगर दो वर्दीधारी सिपाही और लगभग आधा दर्जन नगर परिषद के वोलंटियर तेघड़ा बाजार में लगने वाले जाम को हटाने में प्रतिदिन तैनात रहेंगे तो तेघड़ा बाजार में जाम नहीं लगेगा.

आपको बता दें कि तेघड़ा बाजार के स्टेशन रोड मुख्य चौराहा, पूर्वी क्षेत्र बाजार में प्रतिदिन वाहनों की लंबी कतार लग जाती है. आवागमन सेवा पूर्ण रूप से ठप हो जाती है. तेघड़ा थाना की पुलिस सड़क जाम हटाने में असफल नजर आती है. पुलिस के पसीने जाम छुड़ाने में छूट जाते है उसके बाद भी जाम से आम राहगीरों को राहत नहीं मिलता है.

सांसद ढुल्लु महतो ने खेल महोत्सव को लेकर किया प्रेसवार्ता

धनबाद : सांसद कार्यालय में धनबाद के सांसद ढुल्लु महतो ने भाजपा कार्यकर्ताओ एवं खेल प्रेमियों के साथ सांसद खेल महोत्सव' को लेकर प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी खेल महोत्सव की तैयारियों, आयोजन की रूपरेखा और युवाओं की भागीदारी पर विस्तार से अपनी बातों को रखा . उन्होंने कहा कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 14 दिसंबर से 25 दिसम्बर 2025 तक प्रस्तावित है जिसमें धनबाद नावाडीह स्टेडियम में दिनांक 14 दिसंबर को इस खेल महोत्सव का आयोजन होगा . इस खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करना तथा 'फिट युवा फॉर विकसित भारत' के संकल्प को साकार करना है सांसद ने कहा कि यह महोत्सव न केवल युवाओं को खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करेगा, बल्कि उनमें अनुशासन, स्वास्थ्य और राष्ट्रनिर्माण के प्रति जागरूकता भी लाएगा

न्यूज कॉर्नर

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल: थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली. मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है. मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है. लेकिन अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई. इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया. मेस्सी ने मैच के बाद कहा, ''तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं. पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था.'' मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की. इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई. मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं. दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं.

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने प्रतीका रावल के लिए 1.5 करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की

नयी दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को महिला क्रिकेटर प्रतीका रावल से अपने आवास पर मुलाकात की और दिल्ली सरकार की ओर से उन्हें 1.5 करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की. रावल ने हाल में समाप्त हुए आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में 308 रन बनाए. वह लौरा वोल्वार्ड्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर थीं. दिल्ली की यह क्रिकेटर बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम ग्रुप लीग मैच के दौरान चोटिल हो गई थी, जिसके कारण वह सेमीफाइनल और फाइनल में नहीं खेल सकी थी. भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता. गुप्ता ने एक पोस्ट में कहा, ''आज मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में हमने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी प्रतीका रावल का स्वागत किया. हमारी प्रतिभाशाली बेटी प्रतीका ने दिल्ली को गौरवान्वित किया है. खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली सरकार उन्हें 1.5 करोड़ रुपये का पुरस्कार देगी.'' इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली भी उपस्थित थे.

मणिपुर ने 12वीं बार जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप जीती

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश): मणिपुर ने रविवार को बंगाल को 9-0 से हराकर जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप टियर एक का खिताब 12वीं बार अपने नाम कर लिया. चिंगखामायुम रेडिमा देवी (आठवें, 41वें, 65वें मिनट), लोंगजाम नीरा चानू (29वें, 55वें, 59वें मिनट) ने हैट्रिक लगाई, जबकि याइफाबी थोकचोम (68वें, 76वें मिनट) ने दो और मोंगजाम पुष्परानी देवी (75वें मिनट) ने एक गोल किया. महान भारतीय फुटबॉलर डॉ. तालीमेरेन एओ के नाम पर आयोजित इस चैंपियनशिप में मणिपुर का दबदबा रहा है. बंगाल ने फाइनल में पहुंचने के बाद मणिपुर की बादशाहत को चुनौती देने की कोशिश की लेकिन पूर्वोत्तर की इस मजबूत टीम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया. मणिपुर ने इसके साथ इस खिताब की हैट्रिक जीत पूरी की. टीम ने इससे पहले 2023-24 और 2024-25 में भी इस खिताब को जीता था.

गुवाहाटी मास्टर्स: सारस्वत ने पहला सुपर 100 खिताब जीता, तन्वी उप विजेता रहीं

गुवाहाटी: राजस्थान के संस्कार सारस्वत ने रविवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स के पुरुष एकल फाइनल में मिथुन मंजूनाथ को तीन गेम में हराकर अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता. जोधपुर के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने स्मैश की बौछार करके पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मंजूनाथ को 21-11, 17-21, 21-13 से हराया. भारतीय खिलाड़ियों के बीच यह फाइनल 50 मिनट तक चला. हालांकि विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा को महिला एकल फाइनल में चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग से 18-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह उप विजेता रहीं. पंजाब की 16 साल की खिलाड़ी पिछले हफ्ते सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं. वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स के फाइनल में पहुंची थीं जबकि इस साल के अमेरिकी ओपन सुपर 300 और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भी उप विजेता रही थीं. भारतीय पुरुष युगल जोड़ी पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक भी एकतरफा फाइनल में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई की छठी वरीय जोड़ी से 13-21 18-21 से हारने के बाद दूसरे स्थान पर रहे. सारस्वत ने पिछले साल बेंगलुरु में अर्श मोहम्मद के साथ अपना पहला सीनियर राष्ट्रीय युगल खिताब जीता था और इससे पहले जूनियर एकल का खिताब भी जीता था. यह जोड़ी पिछले साल सितंबर में 31वें स्मिट कृष्णा खेतान मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में अंडर-19 इवेंट में उपविजेता भी रही थी. अपने दाहिने पैर पर टेप लगाकर खेलते हुए सारस्वत पहले गेम के शुरू में बढ़त बनाए थे. लेकिन मंजूनाथ ने 7-7 की बराबरी हासिल की. दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की गलतियों का फायदा उठाया. सारस्वत ने ब्रेक तक 11-9 की मामूली बढ़त बनाई हुई थी लेकिन आक्रामक शॉट्स लगाकर इसे 14-10 तक बढ़ा दिया. मंजूनाथ अपने प्रतिद्वंद्वी के क्रॉस-कोर्ट और डाउन-द-लाइन स्मैश को समझने में संघर्ष कर रहे थे जिससे सारस्वत

नौ गेम प्वाइंट तक पहुंच गए और आसानी से पहला गेम जीत लिया. दूसरे गेम में सारस्वत ने आक्रामक खेल जारी रखा और अपने तेज स्मैश से 8-2 की बढ़त बना ली जिससे मंजूनाथ दबाव में आ गए. हालांकि कर्नाटक के शटलर ने जोरदार वापसी की और लगातार पांच अंक जीतकर बराबरी की और ब्रेक तक 11-10 से आगे हो गए. मंजूनाथ ने हालांकि लय हासिल करते हुए पिछड़ने के बाद 18-16 की बढ़त हासिल कर ली. फिर सारस्वत की गलतियों ने उन्हें तीन गेम प्वाइंट दिए जिससे उन्हें निर्णायक गेम तक पहुंचने में मदद मिली. तीसरे गेम में सारस्वत आक्रामक इरादे से उतरे और 7-0 की बढ़त बना ली. मंजूनाथ कुछ समय के लिए अंतर कम करने में कामयाब रहे, लेकिन सारस्वत ने नियंत्रण बनाए रखा और ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली. फिर उन्होंने बढ़त को 14-6 तक बढ़ाया और आठ मैच प्वाइंट हासिल किए. सारस्वत ने अपने दूसरे मौके पर एक डीप रिटर्न के साथ मैच जीत लिया. सारस्वत अपने पिता राज की वजह से इस खेल में आए जो खुद एक राष्ट्रीय स्तर के एकल और युगल खिलाड़ी रह चुके हैं. वहीं महिला एकल में तन्वी और तुंग के बीच कुछ जोरदार रैलियां हुईं. भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बनाई हुई थी. लेकिन ताइवान की शटलर धीरे-धीरे वापसी करती गई और 16-16 से बराबरी पर पहुंच गई. फिर वह 18-16 से आगे हो गई. तन्वी के दो गलत स्मैश से तुंग ने पहला गेम जीत लिया. दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ी 5-5 के बाद 6-6 पर बराबरी पर थीं. तन्वी ने ब्रेक तक एक बार फिर 11-8 की बढ़त बना ली जिसमें उन्हें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की गलतियों का फायदा मिला. लेकिन तन्वी जल्द ही लड़खड़ा गईं और कई गलतियां कर बैठीं जिसमें नेट में चार शॉट शामिल थे. इससे तुंग ने गेम 13-13 से बराबर कर दिया. हालांकि तन्वी ने कुछ शानदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश लगाए लेकिन वह निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहीं जिससे तुंग 17-16 से आगे हो गईं. दो और गलतियों ने ताइवान की शटलर को तीन मैच प्वाइंट दिला दिए. तन्वी ने एक तेज क्रॉस-कोर्ट रिटर्न से एक प्वाइंट बचाया और एक और शॉट नेट से बाहर चला गया जिससे वह उप विजेता रहीं.

स्मिथ के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट जीता, एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल की

ब्रिस्बेन: ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली. चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा. इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए. वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया. ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा. फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए. ऑस्ट्रेलियाई टीम तब दो विकेट पर 63 रन पर थी और जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया. वह नौ गेंद पर 23 रन बनाकर नाबाद रहे. जेक वेदरल्ड 17 रन बनाकर नाबाद रहे.

गस एटकिंसन ने ट्रेविस हेड (22) और मार्नस लाबुशेन (3) के विकेट लिए. इंग्लैंड की हार के लिए कुछ रणनीतिक मुद्दे जिम्मेदार रहे जिसमें गेंदबाजी आक्रमण की लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने में विफलता, कैच छोड़ने तथा फिर से तेजी से खेलते हुए रन बनाने की कोशिश में विकेट गंवाने के लिए टीम की काफी आलोचना हुई है. स्टोक्स ने हालांकि संयम से खेलते हुए इंग्लैंड को बढ़त दिलाई लेकिन यह बहुत कम थी. इंग्लैंड के कप्तान ने 'बैजबॉल' की आक्रामक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाते हुए टीम की एशेज संभावनाओं को फिर से जीवित करने की कोशिश की. इंग्लैंड ने सुबह छह विकेट पर 134 रन से आगे खेलना शुरू किया. ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी लाइन एवं लेंथ में गेंदबाजी की ताकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को शॉट खेलने के लिए उकसाया जा सके. स्टोक्स और विल जैक्स (41) ने पहले सत्र में कोई विकेट नहीं गिरने दिया. यह इंग्लैंड की हमेशा हर कीमत पर आक्रामक खेलने वाली मानसिकता से बिल्कुल अलग तरीका था क्योंकि इसकी पहले काफी आलोचना हुई थी. सातवें विकेट की जोड़ी ने 96 रन की भागीदारी करके इंग्लैंड को अगले सत्र के करीब पहुंचा दिया. यही लय बदलने वाला पल था. इसके बाद विकेट जल्दी-जल्दी गिरने लगे. इंग्लैंड ने 17 रन पर चार विकेट गंवा दिए और दूसरी पारी में 241 रन पर ऑल आउट हो गई. माइकल नेसर ने पांच विकेट लिए. स्टोक्स ने 148 गेंद में अपने 50 रन पूरे किए जो उनके करियर का दूसरा सबसे धीमा अर्धशतक था. ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला का पहला टेस्ट दूसरे दिन ही जीत लिया था. दूसरा टेस्ट कम से कम चौथे दिन तक चला. अब तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होगा और एशेज वापस पाने के लिए इंग्लैंड को जीत की जरूरत है. चौथा टेस्ट 'बॉक्सिंग डे' पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में शुरू होगा और सिडनी चार जनवरी से पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेगा.

सिमरनप्रीत ने स्वर्ण पदक जीता, विश्व कप फाइनल पदार्पण में ऐश्वर्य तोमर को रजत

दोहा: युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया. ऐश्वर्य ने इस तरह इस खेल में सभी संभावित विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पदकों का सेट पूरा कर लिया. इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी. इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया. उन्होंने साथ ही विश्व जूनियर रिकॉर्ड की बराबरी भी की. आठ निशानेबाजों के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी भारतीय ईशा सिंह सातवें स्थान पर रहीं. ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर क्वालिफिकेशन दौर में 581 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह नहीं बना पाईं. क्वालिफिकेशन दौर में 21 साल की सिमरनप्रीत ने 585 के स्कोर से पांचवें स्थान से जबकि ईशा ने 585 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में जगह बनाई. सिमरनप्रीत ने धीमी शुरुआत की जिसमें वह पहले पांच शॉट की सीरीज में तीन निशाने चूक गईं और आठवें (अंतिम) स्थान पर खिसक गईं. लेकिन उसके बाद उन्होंने वापसी की और तीन परफेक्ट '5' के शॉट लगाकर चीन की शीर्ष निशानेबाज और मौजूदा 10 मीटर एयर पिस्टल विश्व चैंपियन याओ कियानक्सुन (36 अंक से रजत) और जर्मनी की पूर्व विश्व चैंपियन डोरेन वेनेकैंप (कांस्य पदक) को पीछे छोड़ दिया. भारतीय खिलाड़ी ऐश्वर्य चेकिया के जिरी प्रिव्रात्स्की से 0.9 अंक पीछे रहे. जिरी ने आईएसएसएफ के 40 शॉट के नए प्रारूप में खेले गए फाइनल में 414.2 का स्कोर किया. ओलंपिक चैंपियन लियू युकुन ने कांस्य पदक जीता. दो बार के ओलंपियन, पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन और मौजूदा एशियाई चैंपियन ऐश्वर्य ने पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था. ऐश्वर्य ने क्वालिफिकेशन में 595 का स्कोर किया और चीन के टियान जियामिंग के बाद दूसरे स्थान पर रहे. टियान ने 598 के विश्व रिकॉर्ड के साथ शानदार प्रदर्शन किया. 'एथलीट ऑफ द ईयर' नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और हंगरी के दिग्गज इस्तवान पेनी शीर्ष आठ में शामिल अन्य शीर्ष निशानेबाज थे. ऐश्वर्य नीलिंग पोजीशन में 10 शॉट में 102.8 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर थे. दूसरी प्रोन पोजीशन के अगले 10 शॉट में ऐश्वर्य ने अपनी लय पकड़ी. वह 52.9 और 52 की मजबूत सीरीज के साथ लीडरबोर्ड पर दूसरे स्थान पर पहुंच गए. इस बीच प्रिव्रात्स्की 3.3 अंक आगे थे. ओलंपिक चैंपियन लियू तीसरे स्थान पर थे. इसके बाद ऐश्वर्य ने अगले 10 शॉट्स में प्रिव्रात्स्की को पछाड़ दिया और अंतर को 1.5 अंक तक कम कर दिया. 31वें शॉट के बाद यह 0.5 अंक तक कम हो गया. 33वें शॉट के बाद ऐश्वर्य ने बढ़त बना ली. अंतिम दो शॉट्स से पहले अंतर महज 0.3 अंक का था. पर फिर प्रिव्रात्स्की आगे हो गए और स्वर्ण पदक जीत लिया जो इस साल उनका तीसरा आईएसएसएफ स्वर्ण पदक था. ऐश्वर्य ने भी साल के शुरूआती हिस्से में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद साल का अंत शानदार तरीके से किया.

मंधाना और पलाश ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की, निजता बनाए रखने की अपील

नयी दिल्ली: भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है तथा उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुछाल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है. मुछाल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी. भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया. मंधाना ने लिखा, ''मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है. मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं.'' मंधाना की 23 नवंबर को मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी. उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे

लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है.'' खुद को एक ''बेहद निजी इंसान'' करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा. उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे ''दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें'' और उन्हें ''इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें.'' भारत के आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है. उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है. मुझे उम्मीद है कि मैं यथासंभव लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी और ट्राफियां जीतती रहूंगी.'' मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुछाल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने ''आगे बढ़ने का फैसला किया है.'' उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया. मुछाल ने कहा, ''मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है. मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं.''

दिसंबर के पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 11,820 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली: इस महीने के पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले. इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है. नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है. विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ रुपये की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का सिलसिला टूटा. सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे. एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की. इससे 2025 में कुल निकासी 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गई. विश्लेषकों के अनुसार ताजा बिकवाली का मुख्य कारण मुद्रा संबंधी चिंताएं हैं. जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि इस साल रुपया करीब पांच प्रतिशत कमजोर हुआ है, जिस वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं. हालांकि एफपीआई की निकासी के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की मजबूत खरीदारी से बाजार को सहारा मिला. इसी अवधि में डीआईआई ने 19,783 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे.

शीतकालीन पुनर्भंडारण के कारण अक्टूबर में कोकिंग कोयले का आयात बढ़ा

नयी दिल्ली: अक्टूबर में कोयला आयात में मिश्रित रुझान देखा गया, जिसमें सामान्य कोयले के आयात में गिरावट आई जबकि कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि हुई. कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रही. वहीं, कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 लाख टन से बढ़कर पांच लाख टन हो गया. यह बढ़ोतरी मुख्यतः इस्पात उद्योग द्वारा सर्दियों में भंडारण बढ़ाने की गतिविधियों के कारण हुई. कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है. एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल कोयला आयात 3.9 प्रतिशत घटकर 2.09 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 2.18 करोड़ टन था. उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस्पात निर्माता आमतौर पर सर्दियों से पहले कोकिंग कोयले की खरीद बढ़ाते हैं, ताकि सर्दियों में उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रह सके, जब परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संभावित बाधाएं रहती हैं. इसी मौसमी मांग के कारण, सामान्य कोयले के आयात में धीमापन के बावजूद कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि देखी गई. कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रहा. कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 करोड़ टन से बढ़कर 50.4 लाख टन हो गया. इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों में भंडारण करने की गतिविधियां रही.

कारोबार

इस सप्ताह अमेरिकी फेड के फैसले, एफआईआई की गतिविधियों से तय होगी बाजार की चाल : विश्लेषक

नयी दिल्ली: अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा. विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा. पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए. रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से

नजर रखेंगे. वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है. निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 9-10 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है. उन्होंने कहा, एफओएमसी के फैसले के साथ ही प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी. नौ दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों से अमेरिकी श्रम बाजार के बारे में पता चलेगा. पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स ने 5.7 अंक की मामूली बढ़त दर्ज की, जबकि एनएसई निफ्टी 16.5 अंक गिरा.

आवास ऋण नौ लाख करोड़ रुपये के पार, ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहने की उम्मीद: एसबीआई

नयी दिल्ली: भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी. आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है. आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है. 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में शेट्टी ने कहा, हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है. अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है. हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में. एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है. उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी. कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की. शेट्टी ने कहा, कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है. इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है. रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा.

नाल्को जून 2026 तक पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) अगले साल जून तक ओडिशा में अपनी पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की योजना बना रही है. इससे कंपनी को खनन क्षमता बढ़ाने और एकीकृत एल्यूमिनियम कारोबार के विस्तार का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी. पोटांगी बॉक्साइट खदान के विकास और संचालन के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एल-1 बोलीदाता चुनी गई है. नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि अगले साल जून तक खदान शुरू हो जाएगी. कंपनी ओडिशा के कोरापुट जिले में दामनजोडी रिफाइनरी में एल्यूमिना उत्पादन क्षमता बढ़ाने जा रही है. नाल्को अभी इस जगह पर 22.75 लाख टन सालाना क्षमता वाली एल्यूमिना रिफाइनरी चला रही है. इस विस्तार के लिए ओडिशा सरकार ने कोरापुट जिले में पोटांगी बॉक्साइट भंडार के लिए नाल्को को खनन पट्टा दिया है. ये पट्टा 697.979 हेक्टेयर क्षेत्र में है और 50 साल के लिए वैध है. इससे बढ़ी हुई एल्यूमिना उत्पादन के लिए कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी. सीएमडी ने आगे कहा कि पोटांगी से उत्पादन शुरू होने तक या अगर इसमें कुछ महीने की देरी हुई तो वैकल्पिक स्रोत से बॉक्साइट की आपूर्ति होगी. बढ़ी हुई रिफाइनरी क्षमता के लिए बॉक्साइट की कमी नहीं होगी.

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नयी दिल्ली: देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया. इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ. इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई. पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स महज 5.7 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 16.5 अंक गिरा. इस दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 35,909.52 करोड़ रुपये बढ़कर 11,71,862.37 करोड़ रुपये हो गया. इंफोसिस का मूल्यांकन 23,404.55 करोड़ रुपये बढ़कर 6,71,366.53 करोड़ रुपये हो गया. बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 6,720.28 करोड़ रुपये बढ़कर 6,52,396.39 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 3,791.9 करोड़ रुपये बढ़कर 12,01,832.74 करोड़ रुपये हो गया. दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,116.76 करोड़ रुपये घटकर 20,85,218.71 करोड़ रुपये रह गया. रिलायंस सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है.

न्यूज कॉर्नर

नारनौल में फ्लाईओवर से गिरा डंपर, चालक की दर्दनाक मौत

नारनौलः रविवार सुबह यहां नेशनल हाईवे नंबर 148 बी पर गांव खानपुर के पास एक डंपर फ्लाईओवर से नीचे गिर गया. इस हादसे में डंपर चालक की दर्दनाक मौत हो गई. मृतक की पहचान सोनीपत के गांव निजामपुर माजरा निवासी 40 वर्षीय प्रदीप के रूप में हुई है. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डंपर को क्रेन से उठवाया. पुलिस ने शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया. मिली जानकारी के अनुसार सोनीपत के निजामपुर माजरा गांव निवासी करीब 40 वर्षीय प्रदीप डंपर लेकर कहीं जा रहा था. जब वह अपने डंपर को लेकर नांगल चौधरी की ओर जा रहा था तो गांव खानपुर के जलेबी चौक के पास चालक डंपर से नियंत्रण खो बैठा. जिसके चलते डंपर फ्लाइओवर से नीचे जा गिरा. तेज धमाके की आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंच गए. इसके बाद हादसे की सूचना पुलिस को दी गई. सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची तथा क्रेन मंगवाकर डंपर को हटवाया. जिसके बाद डंपर के नीचे दबे चालक प्रदीप को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया. जहां पर डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी. पुलिस ने शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया. पुलिस जांच में जुटी हुई है.

रुके हुए ट्रक से जा टकराई बाइक, एक की मौत एक घायल

शिवसागर (असम): शिवसागर जिले के डिमौ में तेज रफ्तार बाइक रुके हुए ट्रक से जा टकराई, जिसकी वजह से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि, अन्य एक बाइक सवार को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने रविवार को बताया कि डिमौ के भालूकागुरी इलाके में तेज रफ्तार बाइक रुके हुए ट्रक से जा टकरायी, जिसकी वजह से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक की पहचान नीताईपुखरी गरभंगा इलाके के राज गोगोई के रूप में की गई है .यह दुर्घटना भालूकागुरी इलाके में स्थित आवेली रिजॉर्ट के पास हुईं. हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दुर्घटना में घायल आदित्य गोगोई को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है.

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिला में खड़े ट्रेलर से तेज रफ्तार कार टकराई, पांच की मौत

रायपुरः छत्तीसगढ़ के जशपुर जिला में शनिवार देर रात एनएच-43 में पतराटोली के पास तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर से जा टकराई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. यह घटना दुलदुला थाना क्षेत्र में हुई है. बताया जा रहा है कि कार कुनकुरी से जशपुर जा रही थी, तभी हादसा हो गया. मृतक जशपुर जिले के चराईडांड़ इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं. दुलदुला थाना प्रभारी केके साहू ने बताया कि मृतकों के लिए परिजनों से संपर्ककिया जा रहा है.

ग्रीस में प्रवासियों से भरी नाव डूबी, 17 की मौत, दो को बचा लिया गया

एथेंस (ग्रीस): ग्रीस में शनिवार शाम प्रवासियों की एक नाव के डूब जाने से 17 लोगों की मौत हो गई. राहत और बचाव कर्मचारियों के अनुसार दो लोगों को बचा लिया गया है. फिलहाल उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. ग्रीस के कोस्ट गार्ड ने इसकी पुष्टि की है. द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ग्रीस के समुद्री मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों को इस नाव दुर्घटना की सबसे पहली जानकारी तुर्किये के मालवाहक जहाज से पता चली. यह जहाज क्रीट के दक्षिण-पश्चिमी तट से लगभग 30 नॉटिकल मील दूर था, जब कर्मचारियों ने लोगों से भरी एक आधी डूबी हुई नाव देखी.कोस्ट गार्ड की शुरुआती घोषणा में कहा गया था कि 18 शव बरामद किए गए हैं. बाद में अधिकारियों को जीवित बचे दो लोगों ने बताया कि नाव में उन समेत कुछ 17 लोग थे. सनद रहे जून 2023 में दक्षिणी ग्रीस के पास एक मछली पकड़ने वाली नाव एड्रियाना के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए थे.

बलोचिस्तान में सैन्य अभियान, टीटीपी के 12 विद्रोही मारे गए

इस्लामाबादः बलोचिस्तान के कुलात जिले में एक खुफिया आधारित अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) 12 विद्रोहियों को मार गिराया. पाकिस्तान सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने आज कुछ देर पहले मीडिया को बताया कि यह अभियान शनिवार को आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर मिलने पर शुरू किया गया. आईएसपीआर के अनुसार सुरक्षा बलों ने इलाके को चारों ओर से घेरकर विद्रोहियों के ठिकाने पर प्रभावी ढंग से हमला किया. इस दौरान भारी गोलीबारी के बीच टीटीपी के 12 लड़ाके मारे गए इनके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद हुए हैं.

कच्छ में 150 फीट गहरे बोरवेल में गिरा युवक, 9 घंटे बाद मृत मिला

कच्छः गुजरात के कच्छ के भुज तालुका के कुकमा गांव के पास एक दर्दनाक घटना सामने आई है. किसान गोपालभाई की वाड़ी में बने खुले बोरवेल में गिरने से एक युवक की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि मजदूर ने पारिवारिक विवाद के बाद जमीन से करीब 3 फीट ऊँचे बोरवेल में कूदकर जान देने की कोशिश की, ऐसी आशंका जताई जा रही है. देर रात करीब 3:30 बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद युवक का शव बाहर निकाला गया. अब यह हादसा था या आत्महत्या, इसका सही कारण पोस्टमोर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा.शनिवार (6 दिसंबर) को घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में गांववाले और आसपास के श्रमिक मौके पर पहुंच गए. तुरंत फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी गई और रेस्क्यू कार्य शुरू किया गया. पुलिस भी मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान में जुट गई, लेकिन युवक को जीवित नहीं बचाया जा सका. लगभग 9 घंटे यानी रात के 3.30 बजे तक के कठिन प्रयास के बाद उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.भुज फायर टीम ने आधुनिक उपकरणों की मदद से लगभग 150 फीट गहराई में फंसे युवक तक पहुंचने की कोशिश की. भुज प्रांत अधिकारी तहसीलदार 108 एंबुलेंस और पुलिस का दल भी पूरे समय मौके पर मौजूद रहा. भुज प्रांत अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक ने घरेलू कलह के चलते बोरवेल में छलांग लगाई हो सकती है. हालांकि, घटना की वास्तविक वजह पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगी.

ट्रैफिक ड्यूटी कर रहे पुलिस कॉन्स्टेबल को बस ने कुचला, ड्राइवर हिरासत में

शहडोलः मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रविवार दोपहर को बस ने ट्रैफिक ड्यूटी कर रहे पुलिस कॉन्स्टेबल को कुचल दिया. हादसे में कॉन्स्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई.सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू का दी है.जानकारी के अनुसार हादसा रविवार दोपहर करीब सवा दो बजे बस स्टैंड पर हुआ. कॉन्स्टेबल महेश पाठक कोतवाली में पदस्थ थे. रविवार को उनकी ड्यूटी बस स्टैंड पर लगी थी. दोपहर में वे पक्षीराज ट्रैवल्स की बस को साइड में लगवा रहे थे. इसी दौरान ब्यौहारी से शहडोल की ओर आ रही दादू एंड सन्स कंपनी की बस ने महेश को पीछे से टक्कर मार दी. महेश की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची. स्थानीय लोगों ने बस चालक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया और हंगामा किया. हालांकि, पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद ही तथ्यों की स्पष्टता हो पाएगी. पुलिस ने स्थिति को कंट्रोल किया. पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है. बस चालक समेत संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है. प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बस तेज गति से आ रही थी. नियंत्रण खोने के कारण यह हादसा हुआ. पुलिस ने महेश पाठक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. घटना को लेकर लोगों में रोष है. पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जाएगी. दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

एआई-एमएल से बदलेगा भारत का बिजली वितरण सेक्टरः मनोहर लाल

नई दिल्लीः केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित अनुप्रयोग भारत के बिजली वितरण क्षेत्र को उपभोक्ता-केंद्रित, स्मार्ट और आत्म-समायोजित प्रणाली में बदलने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे.

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित बिजली वितरण क्षेत्र में एआई-एमएल के उपयोग पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि इस दिशा में तकनीक को सफल बनाने के लिए उपभोक्ताओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है. स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, डिजिटल ट्विन्स, प्रिडिक्टिव मेंटेनेंस, बिजली चोरी की पहचान, उपभोक्ता स्तर पर ऊर्जा उपयोग की जानकारी, स्वचालित विद्युत आपूर्ति बाधा पूर्वानुमान और जनरेटिव एआई आधारित निर्णय प्रणाली जैसे समाधान न केवल उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाएंगे, बल्कि वितरण कंपनियों की परिचालन क्षमता में भी बड़ा सुधार करेंगे. उन्होंने सभी डिस्कॉम से आग्रह किया कि वे राज्य सरकारों, उद्योग, तकनीकी भागीदारों और नवाचार से जुड़े संस्थानों के साथ मिलकर स्मार्ट और भरोसेमंद वितरण प्रणाली की ओर तेजी से आगे बढ़ें.

उन्होंने कहा कि नई तकनीकों को लेकर कई बार गलत सूचनाएं फैलती हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास जीता जा सके. उन्होंने इसे ईमानदार उपभोक्ताओं को सुरक्षा देने, बिजली चोरी के बोझ को कम करने, बिजली आपूर्ति बाधाओं को पहले ही रोकने और डिस्कॉम के घाटे घटाने का प्रभावी माध्यम बताया. उन्होंने इसे डिजिटल बिजली सुधार के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व दिलाने वाला कदम करार दिया.

सम्मेलन में बिजली मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि मंत्रालय डिस्कॉम के डिजिटलीकरण को मजबूत करने और एआई-एमएल आधारित समाधानों को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने सुरक्षित डेटा साझाकरण, क्षमता निर्माण और इंटरऑपरेबिलिटी की जरूरत पर बल दिया ताकि इन नवाचारों को पूरे देश में लागू कियाजा सके.

सम्मेलन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 195 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से प्रारंभिक जांच के बाद 51 समाधानों को अंतिम मूल्यांकन के लिए चुना गया. मूल्यांकन के बाद तमिलनाडु की टीएनपीडीसीएल और मध्यप्रदेश पूर्व डिस्कॉम को डिस्कॉम श्रेणी में, टाटा पावर और अप्रावा को एएमआईएसपी श्रेणी में प्रवाह और फ्लॉक एनर्जी को सोल्यूशन प्रोवाइडर श्रेणी में तथा टाटा पावर को होम ऑटोमेशन श्रेणी में विजेता घोषित किया गया. विजेताओं ने डेटा आधारित स्मार्ट मीटर एनालिटिक्स, उपभोक्ता इंडेक्सिंग, मांग प्रबंधन, रियल टाइम ग्रिड इंटेलिजेंस औरऊर्जा उपयोग नियंत्रण जैसे नवाचार प्रस्तुत किए. मनोहर लाल ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए इन नवाचारों को सभी राज्यों में लागू करने की अपील की. इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा विकसित एसटीईएलएआर प्लेटफार्म का भी शुभारंभ किया, जिससे डिस्कॉम दीर्घकालिक बिजली मांग और संसाधन उपलब्धता की योजना बना सकेंगे. साथ ही इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम द्वारा एआई, एमएल, एआर वीआर और रोबोटिक्स पर आधारित 174 उपयोग मामलों का हैंडबुक भी प्रस्तुत किया गया.

धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड फिल्ममेकर विक्रम भट्ट गिरफ्तार

मुंबईः राजस्थान के एक आईवीएफ विशेषज्ञ से जुड़े 30 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट गंभीर कानूनी संकट में फंस गए हैं. उदयपुर में दर्ज एफआईआर के बाद मुंबई पुलिस ने उन्हें यारी रोड के गंगा भवन अपार्टमेंट में उनकी साली के घर से गिरफ्तार कर लिया है.यह मामला उन फिल्म और डॉक्यूमेंट्री प्रोजेक्ट्स से संबंधित है, जिनके लिए करोड़ों रुपये लिए जाने का आरोप है, लेकिन आरोपकर्ता के अनुसार ये प्रोजेक्ट या तो पूरे नहीं हुए या उन्हें उचित श्रेय नहीं दिया गया. हालांकि, विक्रम भट्ट ने इन आरोपों को पूरी तरह भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया है.

उदयपुर के भूपालपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के मुताबिक इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया ने दावा किया कि उन्हें चार फिल्मों और कुछ डॉक्यूमेंट्री प्रोजेक्ट्स, जिनमें उनकी दिवंगत पत्नी पर आधारित एक बायोपिक भी शामिल है, उनके लिए करीब 30 करोड़ रुपये निवेश करने को राजी किया गया. आरोप है कि इन फिल्मों से 200 करोड़ रुपये तक के मुनाफे का अनुमान बताकर उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया गया, लेकिन धनराशि देने के बाद कुछ परियोजनाओं का काम रोक दिया गया जबकि पूरी हो चुकी परियोजनाओं में उन्हें वादानुसार श्रेय भी नहीं मिला.

एफआईआर में विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट, बेटी कृष्णा भट्ट, और सहयोगी महबूब अंसारी, दिनेश कटारिया सहित कुल 8 लोगों के नाम शामिल हैं. राजस्थान पुलिस ने मामले में जांच प्रारंभ कर दी है और लेन-देन से जुड़े दस्तावेज़, बैंक रिकॉर्ड और संचार की जांच कर रही है. फिल्म के सह-निर्माता महबूब अंसारी और मुंबई के एक विक्रेता संदीप त्रिलोभान को पहले ही गिरफ्तार कर उदयपुर की अदालत में पेश किया जा चुका है, जहां से उन्हें पुलिस ने जेल भेज दिया है. पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर और गिरफ्तारियां हो सकती हैं.

राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर एनएचआरसी का समारोह, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्लीः राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में एक समारोह का आयोजन करेगा. इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी. एनएचआरसी के अनुसार, मानवाधिकार दिवस की इस वर्ष की संयुक्त राष्ट्र थीम 'एवरीडे एसेंशियल्स' के अनुरूप आयोग 'सार्वजनिक सेवाएं और सभी के लिए गरिमा' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित करेगा. इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा मुख्य वक्ता के रूप में संबोधन देंगे. सम्मेलन में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, न्याय, वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा जैसे मूलभूत सेवाओं को मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य से जोड़कर चर्चा की जाएगी.

एनएचआरसी के इस समारोह में आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम, आयोग के सदस्य, केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, राजनयिक, संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि, शिक्षाविद और समाजसेवी मौजूद रहेंगे. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना 12 अक्टूबर 1993 को हुई थी. अब तक आयोग में 23.8 लाख से अधिक मानवाधिकार उल्लंघन मामलों का पंजीकरण किया जा चुका है तथा 264 करोड़ रुपये से अधिक का राहत मुआवजा देने की सिफारिश की गई है. आयोग ने शिविर, खुली सुनवाई, स्वत: संज्ञान और नीतिगत सुझावों के माध्यम से मानवाधिकार संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

इसके अलावा, आयोग ने मानवाधिकार जागरूकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं. अब तक 23 देशों के 78 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है. साथ ही, एचआरसी नेट पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करने और उसकी स्थिति की निगरानी की सुविधा को मजबूत किया गया है, जो देशभर के 5 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटरों से जुड़ा हुआ है.

देश के हर नागरिक के अधिकार बाबा साहेब की देन : कुमारी शैलजा

जींदः अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि धमतान साहिब गुरु तेग बहादुर की पावन तपोभूमि रही है. जहां वे तीन बार पधारे और यहां के विभिन्न स्थलों पर अपनी अनंत कृपा दृष्टि बरसाई. उन्होंने कहा कि धमतान साहिब में जो ऐतिहासिक कुआं स्थित है, वह उन्हीं के समय में बनाया गया था. इसी पवित्र भूमि पर गुरु साहिब ने अपनी करकमलों से गुरु घर की नींव रखी थी. जो आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है. सांसद कुमारी शैललजा रविवार को धमतान साहिब में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास के 649वें जन्मोत्सव को समर्पित कार्यक्रम में पहुंच कर उन्हें नमन किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने गुरु रविदास द्वारा दिए गए समानता, न्याय और मानवीय मूल्यों के संदेश को सांझा किया. साथ ही बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें नमन करते हुए संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन:दोहराया.

मप्र में नक्सलवाद पर चोट, केबी डिवीजन के 10 माओवादिओं ने हथियार डाले , कुख्यात कबीर के भी शामिल होने की खबर !

बालाघाटः मध्य प्रदेश सरकार के माओवाद के खात्मे के लिए घोषित मिशन 2026 ने शनिवार देर रात बड़ी उपलब्धि दर्ज की है. कान्हा-भोरमदेव (केबी) डिवीजन के 10 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण का फैसला लेते हुए बालाघाट पुलिस के सामने हथियार डाल दिए. हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि अभी शेष है, लेकिन जानकारी में आया है कि समर्पित माओवादियों में कुख्यात माओवादी कमांडर कबीर भी शामिल है, जिसके सरेंडर को सुरक्षा एजेंसियां पिछले कई वर्षों से सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक मान रही हैं.

बताया जा रहा है कि कबीर पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र इन तीन राज्यों में कुल 77 लाख रुपये का इनाम घोषित था. कबीर अपने नौ साथियों जिनमें चार महिलाएं और छह पुरुष माओवादी शामिल हैं के साथ देर रात आईजी के सरकारी निवास पर पहुंचा. सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र की बारीकी से घेराबंदी कर ऑपरेशन को गोपनीय रखा हुआ है. इस संबंध में फिलहाल इतना ज्ञात हुआ है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज दोपहर तीन बजे बालाघाट पहुंच रहे हैं, जहां वे पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होंगे. संभावना है कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में ही इन सभी माओवादियों को औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण कराया जाएगा.

कबीर को केबी डिवीजन की रीढ़ माना जाता था. वह लंबे समय तक बालाघाट, मंदला और छत्तीसगढ़ के सीमा क्षेत्रों में सक्रिय रहा. छत्तीसगढ़ की कई बड़ी माओवादी वारदात, पुलिस पार्टी पर हमलों और ग्रामीण इलाकों में सशस्त्र दबाव बनाने जैसी घटनाओं में उसका नाम बार-बार सामने आया. ऐसे में कबीर का सरेंडर माओवादी नेटवर्क की संरचनात्मक कमजोरी का संकेत माना जा रहा है.

बालाघाट-चंद्रपुर-गोंदिया का वन क्षेत्र लंबे समय से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है. लेकिन पिछले दो महीनों में जिस तरह सरेंडर की शृंखला तेज हुई है, उसे सुरक्षा विशेषज्ञ निर्णायक मोड़ मान रहे हैं. 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ की महिला माओवादी सुनीता ने बालाघाट के किन्ही चौकी में आत्मसमर्पण किया था. इसके बाद 28 नवंबर को दर्रेकसा दलम के 11 माओवादियों ने महाराष्ट्र के गोंदिया में हथियार डाल दिए थे. ये वही माओवादी थे जिनसे हुई मुठभेड़ में हॉकफोर्स के बहादुर निरीक्षक आशीष शर्मा ने बलिदान दिया था. इस घटना के बाद पुलिस ने सरेंडर और टारगेटेड ऑपरेशन दोनों को तेज कर दिया था. अब कबीर सहित 10 माओवादियों का आत्मसमर्पण उसी लगातार दबाव और रणनीति का नतीजा है.

'इंडिगो' संकट का असर राजस्थान के पर्यटन पर भी, लोगों ने बुकिंग रद्द करवाई

जयपुरः निजी विमानन कंपनी 'इंडिगो' की उड़ानों को लेकर उपजे संकट का असर राजस्थान के पर्यटन सीजन पर भी पड़ा है. पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने रविवार को कहा कि इस संकट के कारण पर्यटकों की आवक घटी है और कई जगह होटल तथा यात्रा परिचालक प्रभावित हैं.उल्लेखनीय है कि दिसंबर के महीने को राजस्थान में पर्यटकों के लिहाज से सबसे व्यस्त समय में से एक माना जाता है. सर्दियों का यह पर्यटन सीजन आमतौर पर दिसंबर में अपने चरम पर पहुंचता है. निजी विमानन कंपनी 'इंडिगो' के ताजा संकट की वजह से देश भर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द हुई हैं या उनमें देरी हुई है.

जयपुर के टूर ऑपरेटर संजय कौशिक ने कहा कि राजस्थान में 'व्यस्त सीजन' 10 दिसंबर से पांच जनवरी तक होता है. इसमें क्रिसमस और नववर्ष के जश्न जैसे मौके आते हैं तथा मौजूदा 'इंडिगो' संकट ने इसे बुरी तरह प्रभावित किया है. उन्होंने कहा, नुकसान सिर्फ उन लोगों को नहीं हुआ है, जिनकी उड़ानें रद्द हुईं. इससे भी बड़ा झटका यह है कि जिन पर्यटकों ने क्रिसमस और नववर्ष के लिए यात्राएं बुक की थीं वे उसे रद्द कर रहे हैं.उन्होंने कहा, 'लोगों में संशय है और वे परेशान हैं कि अगर यह मौजूदा संकट जारी रहा तो उनकी बुकिंग बेकार हो जाएगी. इसलिए नई बुकिंग बंद हो गई हैं जबकि पहले की बुकिंग रद्द हो रही हैं. 'व्यस्त सीजन' में ऐसा होने का मतलब है कि पूरे उद्योग को बड़ा झटका लगेगा.'होटलों, खासकर सप्ताहांत और अल्पावधि के लिए रुकने वाले यात्रियों के होटलों ने सामान्य से ज्यादा रद्दीकरण की जानकारी दी है. स्थानीय परिवहन प्रदाताओं और टूरिस्ट गाइड ने भी मांग में अचानक गिरावट की बात कही है. उन्होंने कहा कि यह समय तो सबसे व्यस्त होना चाहिए लेकिन सब गड़बड़ हो गया.टूर ऑपरेटर रघुवीर सिंह ने कहा, कई पर्यटक अपनी यात्राएं रद्द कर रहे हैं या उन्हें दुबारा तय कर रहे हैं क्योंकि उड़ानें मिल नहीं रहीं, दूसरा किराए बहुत बढ़ गए हैं. इसका सीधा असर जयपुर, उदयपुर और जोधपुर में बुकिंग पर पड़ा है.किलों, महलों, रेगिस्तानी नजारों, वन्यजीवन, आदिवासी संस्कृतियों, तीर्थ स्थलों और लग्जरी होटलों वाला राजस्थान देश में सबसे अलग-अलग तरह के पर्यटन अनुभव देता है. पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने आगाह किया है कि उड़ानों में संकट से खासकर जयपुर, उदयपुर और जोधपुर जैसे शहरों में उद्योग की रफ़्तार को धीमा कर देगा.

राष्ट्र की सुरक्षा में निरंतर तैनात हमारे सैन्य जवानों का योगदान अतुलनीय : मुख्यमंत्री साय

रायपुरः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज रविवार को रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड के सचिव ब्रिगेडियर विवेक शर्मा ने सौजन्य भेंट की. इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री साय को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के प्रतीक स्वरूप सम्मान बैज लगाया तथा संचालनालय सैनिक कल्याण द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की.मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे वीर सैनिकों और उनके परिवारों के त्याग, साहस और राष्ट्रसमर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है. देश की सुरक्षा में निरंतर तैनात हमारे जवानों का योगदान अतुलनीय है.

उन्होंने आगे कहा कि इस दिवस का संदेश है कि राष्ट्र की रक्षा में लगे हमारे जवानों और शहीद परिवारों के प्रति हम सभी अपनी जिम्मेदारी समझें और उनके कल्याण हेतु सहयोग की भावना से आगे आएं.

पालघर में कर्ज में डूबे व्यक्ति ने खुद को आग लगाकर की आत्महत्या

पालघरः महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार देर रात कर्ज में डूबे 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि आग बुझाने की कोशिश में उसकी पत्नी और भतीजा भी झुलस गए.उन्होंने बताया कि घटना विरार इलाके के फुलपाडा में रात 12.40 बजे हुई.पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अखिलेश विश्वकर्मा के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि वह जो इलाके में वेल्डिंग की दुकान चलाता था.विरार पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक एलएम तुरे ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक पिछले कुछ समय से आर्थिक तंगी और कर्ज के कारण अवसाद में था.उन्होंने बताया कि विश्वकर्मा ने कथित तौर पर अपने घर में खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली.अधिकारी ने बताया कि उसे बचाने की कोशिश में उसकी पत्नी और भतीजा भी झुलस गए.

सुडोकू–16

			8	6	4	7		
		3	9				5	
8					7	6	9	
	5				3		8	6
	7	8	6		5	2	1	
6	3		4				7	
	2	5	1					8
	4				8	9		
		6	5	4	9			

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.

उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -15 का उत्तर

6	5	9	1	4	8	3	2	7
8	3	1	7	5	2	4	9	6
7	4	2	6	9	3	1	8	5
9	2	3	4	7	6	8	5	1
1	7	5	8	3	9	2	6	4
4	6	8	5	2	1	9	7	3
3	1	6	9	8	5	7	4	2
2	8	4	3	6	7	5	1	9
5	9	7	2	1	4	6	3	8

युवा शक्ति माथापच्ची– 32

1	2		■	3		4		■
5		■	6		■		■	7
■		■		■	8			
9				10	■		■	
11		■	12		13	■	14	
	■	15	■	16				
17				■		■		■
	■		■	18		■	19	20
■	21				■	22		

● **बाएं से दाएं**

1. थोड़ा, 3. गंधक, रसौत, 5. घ्राणेन्द्री, 6. आबाद, टिका, बना, ठहरा, 8. बड़ा हाथी, 9. किसी वस्तु का भीतरी भाग, विशुद्ध, अंत:करण, 11. अंधेरा, पाप, क्रोध, 12. बच जाना, निवास करना, 14. सत्य, वास्तविक, ठीक, 16. झुकने वाला, जिसमें लचक हो, 17. निर्माणशाला, कार्यशाला, फैक्टरी, 18. पुरुष, आदमी, 19. लीन, मग्न, 21. रचना, माडम्बर, 23. गणना करनेवाला, ज्योतिषी.

● **उपर से नीचे**

1. पेड़ का मोटा भाग, 2. सबसे समीप, पास में, 3. पृथ्वी, तरकारी का तरल अंश, शोरबा, 4. गंगा का पवित्र पानी, 6. किसी की अपेक्षा अधिक बुरा, निकृष्टतर, 7. राक्षस, रात्रि में घूमनेवाला, 9. भीतर की खराबी, शरीर का आंतरिक रोग, 10. राजनिवास, पहाड़ी मधुमक्खी, 13. नृत्यशाला, 14. अच्छा आचरण, अच्छा चाल- चलन, 15. स्वच्छ करना, पवित्र करना, 18. गाने-बजाने वाली एक जाति, तमाशा दिखानेवाले.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची– 31 का हल

दो	ष	नि	क	ल	ना	■	■	शा
प	■	रा	■	■	म	हा	न	दी
ह	ता	श	■	मौ	■	स	र	■
र	■	हो	लि	का	■	■	ब	ल
■	प	ना	ह	■	गो	धू	लि	■
रा	ह	■	■	बा	ल	म	■	रा
■	चा	र	■	ग	■	ध	डा	म
अ	न	थ	क	■	■	डा	■	बा
दा	■	■	वि	शे	ष	का	र	ण

ईस्टर्न कमांड की 'विजय रैली 2025 - राइड फॉर वेलोर' का समापन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: भारतीय सेना के ईस्टर्न कमांड ने विजय रैली 2025 - राइड फॉर वेलोर का सफल समापन हो गया. यह एक मोटरसाइकिल एक्सपीडिशन था, जो विजय दिवस और 1971 के युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था. इस युद्ध में पाकिस्तानी सेना के 93000 सैनिकों ने 16 दिसंबर 1971 को सरेंडर किया था; यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा सरेंडर था. यह रैली 25 नवंबर 2025 को शुरू हुई थी, जिसमें नॉर्थ-ईस्ट के सभी राज्यों के राइडर्स इस यात्रा में शामिल हुए थे. यह यात्रा ऑफिशियली 01 दिसंबर 2025 को गुवाहाटी से शुरू हुई थी. 1350+किमी. की दूरी तय करते हुए, यह रैली दीमापुर, तेजपुर, शिलांग, गुवाहाटी, बिन्नागुड़ी, सुकना, हिली, सिलीगुड़ी, मालदा, पानागढ़ और नवग्राम जैसी खास जगहों से गुज़री और विजय स्मारक, विजय दुर्ग पर खत्म हुई. रास्ते में, अल्बर्ट एक्का, करीमगंज, किलपारा, सुकना, बोगरा और हिली वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि समारोह करके 1971 में ड्यूटी के दौरान अपनी जान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई. रैली के आखिरी हिस्से को लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम, जीओसी-इन-सी, ईस्टर्न कमांड ने लीड किया, जो 7 दिसंबर को कोलकाता में इस सिंबॉलिक राइड में शामिल हुए. 1971 की जीत का सम्मान करने के लिए, कुल 71 सर्विस राइडर्स और 71 सिविल राइडर्स ने रैली में हिस्सा लिया, जो उनकी बहादुरी, साहस और बलिदान का प्रतीक है. कोलकाता से होकर गुज़रने वाली आखिरी 25 किमी की सेरेमोनियल राइड में राइडर्स ने विजय स्मारक पर एक गंभीर समारोह में शहीद हुए हीरो को श्रद्धांजलि दी, जो ईस्टर्न कमांड और उसके बहादुर योद्धाओं के अनमोल योगदान का सबूत है. रास्ते में जोशीले बाइकर्स ने भी इस इवेंट में देशभक्ति का जोश भर दिया. विजय रैली 2025 के खत्म होने के साथ ही विजय दिवस समारोह 2025 (14-16 दिसंबर) की औपचारिक शुरुआत हो जाएगी, जिसमें भारतीय सेना के साहस और बलिदान का सम्मान किया जाएगा.

ब्रिगेड ग्राउंड में 5 लाख कंठों से 'गीता पाठ', के अवसर पर संस्कृति प्रचार समिति द्वारा प्रकाशित आचार्य डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा संकलित संपादित व्रत एवं त्यौहार पञ्चांग के 34वें अंक विक्रम सम्वत 2083 सन 2026-27 का लोकार्पण किया गया.

नर सेवा ही नारायण सेवा है : डॉ प्रकाश पारख

88 लोगों का नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: नि:स्वार्थ भाव से अंधत्व निवारण में जुटी शहर की स्वयंसेवी संस्था प्रेम मिलन (कोलकाता) ही असहाय लोगों की पीड़ा को नजदीकी से समझती है, तभी तो लगभग हर रविवार को प्रेम मिलन के बैनर तले नि:शुल्क आंख ऑपरेशन शिविर लगाकर असहाय, गरीब और साधनहीन लोगों की नेत्र रोग की पीड़ा का समाधान किया जाता है. ये शब्द हैं डॉ प्रकाश पारख का जो रविवार को मध्य कोलकाता के रवींद्र सरणी स्थित नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा केंद्र पहुंचे थे. यह शिविर प्रेम मिलन (कोलकाता) एवं प्रकाश पारख एंड सन्स के सौजन्य से आयोजित किया गया था. इस मौके पर प्रेम मिलन के चेयरमेन डॉ चंद्रकांत सराफ, डॉ प्रकाश पारख, मोहित पारख, रोहित पारख बतौर अतिथि उपस्थित थे. डॉ प्रकाश पारख पारख ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. रोहित - मोहित पारख पारख ने कहा कि शहर से संस्थाएं बहुत हैं और सभी अपने-अपने स्तर में कुछ ना कुछ सेवा कार्य करती हैं, लेकिन प्रेम मिलन उन सबसे बिल्कुल है है, क्यों यहां रोगियों से इलाज के मद में एक पैसा भी नहीं लिया जाता. प्रेम मिलन के चेयरमेन डॉ चंद्रकांत सराफ ने बताया कि नेत्र ऑपरेशन में 88 रोगियों का ऑपरेशन डॉ. शुभरो घोषाल, डॉ सुप्रतिम बिस्वास ने रेणु सिंह , प्रसेनजीत सेन के सहयोग से किया, जिसमें 53 लोग हुगली जिला के हामरागाछी स्थित मानव सेवा ट्रस्ट मे संचालित नेत्र चिकित्सा केन्द्र से आए थे एवं 35 लोग महानगर के आसपास से आएं थे. शिविर को सफल बनाने मे कृष्ण कुमार मूंधरा, मनोज जयसवाल, धर्मेंद्र राउत, रामबिलास अग्रवाल, महेंद्र टिबरेवाल, नीतीश चौधरी, आकाश सिंह ने अहम भूमिका निभाई.

श्रीमद्भागवत कथा निस्वार्थ भाव से सेवा करने और परोपकार की प्रेरणा देती है

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: भागवत कथा आत्मनिवेदन (समर्पण) की भक्ति की प्रेरणा देती है, जो सेवा का सर्वोच्च रूप है. भागवत कथा का उद्देश्य परम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है, जो सेवा के माध्यम से सम्भव है. श्रीमद्भागवत कथा निस्वार्थ भाव से सेवा करने और परोपकार की प्रेरणा देती है, जिससे जीवन सार्थक होता है. श्रीमद्भागवत से सेवा की प्रेरणा मिलती है और हमें जीवन जीने की कला सिखाती है. सत्कर्मों (अच्छे कार्यों) की ओर प्रेरित करती है, जिससे व्यक्ति सामाजिक सद्भाव, प्रेम और भाईचारे के साथ परोपकार की भावना से सेवा करता है. कलियुग में भागवत कथा का श्रवण सेवाभाव से जुड़कर और भी शक्तिशाली हो जाता है. उपरोक्त विचार श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल के अध्यक्ष बनवारीलाल सोती, सचिव सुरेन्द्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर अग्रवाल ने भाईश्री रमेश भाई ओझा के श्रीमुख से श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में सहयोगी संस्थाओं, कार्यकर्ताओं के प्रति आभार, धन्यवाद ज्ञापित करते हुए व्यक्त किये. सुरेन्द्र अग्रवाल ने श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल की निरन्तर प्रगति, आधुनिकीकरण, भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से कर्तव्य निष्ठा से सेवाकार्य करने का निवेदन किया . महावीर प्रसाद अग्रवाल, गिरधारीलाल मस्करा, शंकरलाल सणखत, बिमल भिवानीवाला, महेश भुवालका, चांद रतन लखानी, दीपक बंका, मनोज पराशर, नरेन्द्र अग्रवाल, अनिल चौधरी, नरेन्द्र बागड़ी, विष्णु शर्मा, झबरू दुजारी एवम् वक्ताओं ने कहा भागवत कथा हमें सिखाती है कि जीवन कैसे जिया जाए, जिससे आत्मीय सुख, आत्मीय शुद्धि का अनुभव होता है और आध्यात्मिक विकास होता है. संचालन दीपक बंका एवम् धन्यवाद ज्ञापन जगमोहन बागला ने किया.

पथश्री-रास्ताश्री 4 : मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को जारी किए सख्त निर्देश

ग्रामीण विकास में महिलाओं की भागीदारी पर दिया जोर

कोलकाता : राज्य में ग्रामीण सड़क की बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए सरकार एक बार फिर बड़ा कदम उठाने जा रही है. बहुप्रतीक्षित 'पथश्री-रास्ताश्री 4' परियोजना का काम बहुत जल्द पूरे राज्य में शुरू होने वाला है. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अगले हफ्ते किसी भी दिन इस मेगा परियोजना की आधारशिला रख सकती हैं. इस परियोजना के माध्यम से सरकार का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पहिये को घुमाना और आम लोगों के आवागमन को आसान बनाना है. परियोजना की शुरुआत में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए मुख्य सचिव मनोज पंत ने शनिवार को नबान्न से जिलों के साथ एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक की. इस बैठक में जिलाधिकारियों को कई दिशा-निर्देश जारी किए गए. नबान्न द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया है कि केवल सड़कें बनाना ही पर्याप्त नहीं है, आम लोगों को इस विकास कार्य के बारे में जागरूक करना और प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए. इस संबंध में जिलों को एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भेज दी गई है. इन दिशानिर्देशों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया जाना है. मुख्य सचिव के निर्देशानुसार, मुख्यमंत्री द्वारा शिलान्यास के तुरंत बाद जिलाधिकारियों की पहल पर प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी. इस बैठक में सख्त निर्देश दिए गए कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत सदस्यों और सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ आम ग्रामीणों की उपस्थिति अनिवार्य है. प्रत्येक बैठक में कम से कम 500 ग्रामीणों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, जिनमें 50 प्रतिशत महिलाएं हों. प्रशासन के अनुभवी नौकरशाहों के अनुसार, लक्ष्मी भंडार से लेकर कन्याश्री तक, राज्य सरकार की कई जनोन्मुखी परियोजनाओं ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाई है. ग्रामीण सड़कें बेहतर होने का सीधा लाभ महिलाओं को भी मिलता है. उनका आवागमन, स्वयं सहायता समूह का काम और दैनिक जीवन आसान हो जाता है. इसलिए, इस विकास का संदेश सीधे उन तक पहुंचाने के लिए बैठकों में महिलाओं की उपस्थिति पर विशेष ज़ोर दिया गया है. इसी तरह प्रखंड, अनुमंडल और जिला स्तर पर भी बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं. प्रचार-प्रसार के मामले में भी राज्य एक नया तरीका अपना रहा है. यह परियोजना लगभग 2.5 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कों के विकास के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जो एक नया रिकॉर्ड है. इस विशाल परियोजना की जानकारी लोगों के घर-घर तक पहुंचाने के लिए माइकिंग, होर्डिंग और झांकियों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं. प्रत्येक प्रखंड में एक सुसज्जित झांकी बनाई जाएगी, जो प्रत्येक ग्राम सभा में जाकर प्रचार करेगी. इसके अलावा, जिला प्रशासन मुख्यमंत्री द्वारा प्रकाशित 'उन्नयनेर पांचाली' को घर-घर पर पर्चे के रूप में पहुंचाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें राज्य सरकार की पिछले साढ़े 14 वर्षों की उपलब्धियों का ज़िक्र होगा. अधिकारियों को सर्वेक्षण कार्य के दौरान ये पर्चे बाँटने की सलाह दी गई है. शनिवार को हुई बैठक में मुख्य सचिव ने लोगों को सड़कों की गुणवत्ता पर 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति की याद दिलाई. उन्होंने कहा कि काम निर्धारित समय में पूरा होना चाहिए और सड़क की टिकाऊपन या गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए. जिला प्रशासन को टेंडर आमंत्रित करने से लेकर काम पूरा होने तक पूरी प्रक्रिया पर कड़ी नज़र रखने को कहा गया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह काम पारदर्शिता के साथ पूरा हो.

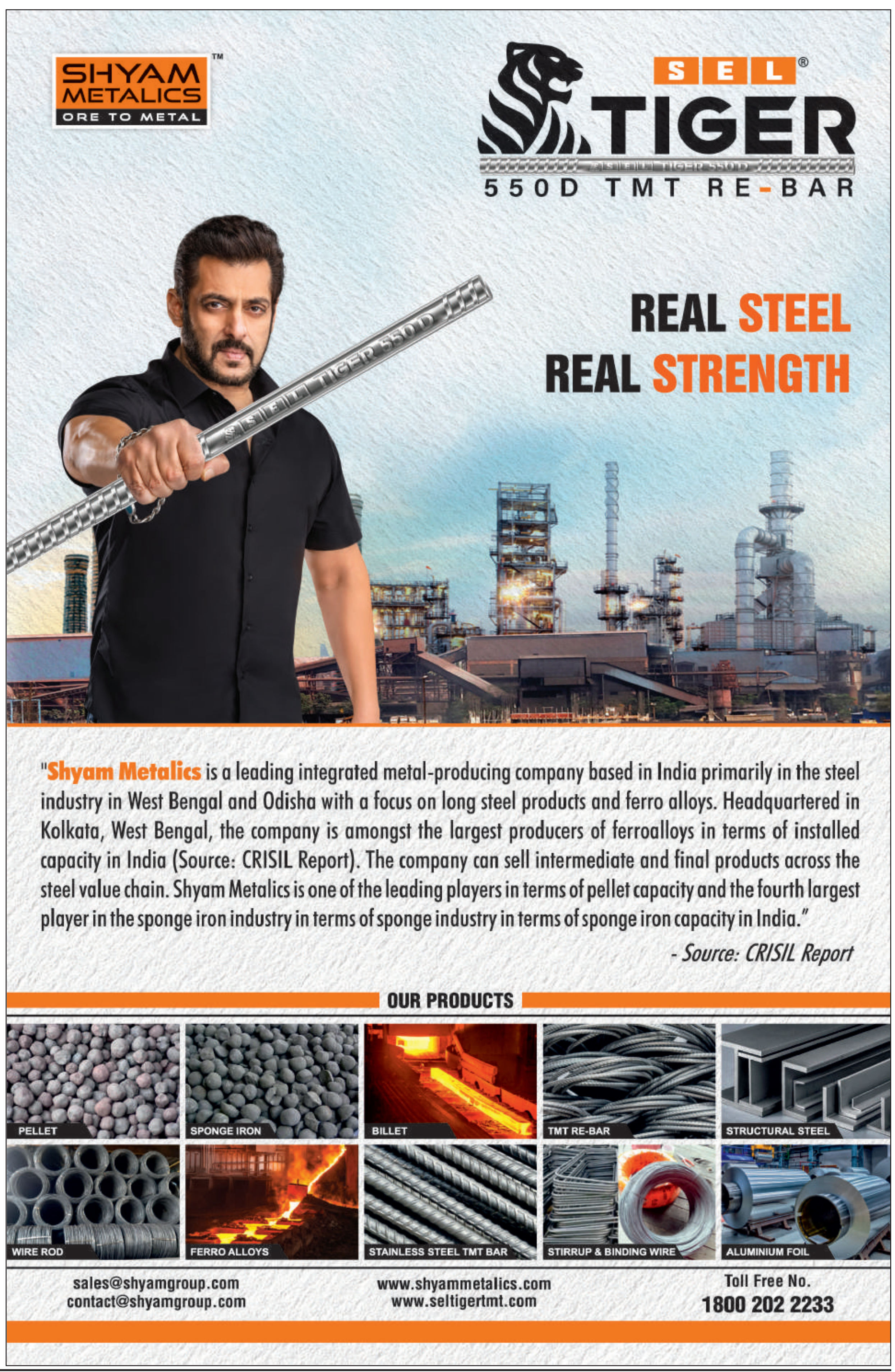

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन